हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 131, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 नवम्बर, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

विधानसभा में इतनी भद्दी बातें कीं, कितना नीचे गिरोगे : मोदी

नीतीश पर पीएम मोदी ने साधा निशाना, बोले- माताओं बहनों के सम्मान के लिए पीछे नहीं हटूंगा

गुना। पीएम नरेंद्र मोदी आज (9 नवंबर) गुना जिले के दौरे पर पहुंचे हैं। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने नीतीश कुमार का नाम लिए बिना उनके विधानसभा में दिए बयान पर तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा कि इंडी एलांयस के बहुत बड़े नेता ने विधानसभा में ऐसी भाषा में भद्दी बातें कीं। कोई शर्म नहीं है उनको। इंडी एलायंस का एक भी नेता एक भी शब्द कहने के लिए तैयार नहीं हुआ। माताओं-बहनों के लिए ऐसी सोच रखते हैं। कैसी दुर्भाग्य आया है देश का। कितना नीचे गिरोगे, दुनिया में देश की बेइज्जती करा रहे हैं। मैं माताओं बहनों के सम्मान के लिए जो हो सकेगा उससे पीछे नहीं हटूंगा। पीएम मोदी ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया साथ ही कांग्रेस पर जमकर निशाना भी साधा। मोदी ने कहा कि हमने महिलाओं को घर का मालिक बनाया है। हमने चार करोड़ लोगों को पक्के घर दिए हैं। हम वो लोग हैं जितनी भक्ति से राम मंदिर बनाते हैं उतनी ही भक्ति से गरीबों के घर भी बनाते हैं। हमने गुना के 22 हजार लोगों को पक्के घर दिए हैं। लाडली बहना योजना और लाडली लक्ष्मी योजना से हम बहनों बेटियों को सशक्त कर रहे हैं।

कांग्रेस का मतलब ही है बबार्दी की गारंटी: मोदी- गुना से पहले पीएम मोदी ने दमोह में जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने नोटबंदी को याद करते हुए कहा कि जो लोग नोट के गद्दों पर सोते थे उनकी नींद उड़ गई थी। मुझे भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस मुझे सौ-सौ गालियां देते हैं। जो मुझे गालियां देते हैं, ये सारे लोग किसी न किसी घोटाले में फंसे हुए हैं। लेकिन ये लोग चाहे कितनी भी गालियां दे भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं रुकेगी। कांग्रेस को लोगों ने 60 साल मौका दिया, लेकिन कांग्रेस ने बुंदेलखंड को सिर्फ सूखा दिया। कांग्रेस को जहां मौका मिला वहां उसने किया क्या है। छत्तीसगढ़ में सट्टा और राजस्थान में लाल डायरी है। कांग्रेस का मतलब ही है बबार्दी की गारंटी। ये लोग झूठ का पिटारा लेकर घूम रहे हैं। ये कहते हैं किसानों का कर्ज माफ करने का लेकिन किसान वर्षों तक किसानों को ठगती रही है। पीएम मोदी ने कहा कि ये चुनाव सिर्फ विधायक चुनने के लिए नहीं है, ये मध्यप्रदेश के विकास के लिए है। हमें एमपी को देश के टॉप 5 औद्योगिक राज्यों में पहुंचाना है।

नोटबंदी के सात साल पूरे, कांग्रेस ने केंद्र को घेरा; कहा- इसने देश की अर्थव्यवस्था को पीछे धकेला

नई दिल्ली। नोटबंदी को सात साल पूरे हो गए है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर केंद्र को घेरते हुए कहा, भारतीय अभी भी नोटबंदी के घाव को झेल रहे हैं। इस कदम से छोटे व्यवसाय बंद हो गए, लोगों की नौकरियां चली गई। खरगे ने कहा, करोड़ों लोगों को नोटबंदी के कारण अपने ही पैसे के इंतजार में लाइनों में खड़ा होना पड़ा। खरगे ने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा, 86.4 प्रतिशत नोटों को बंद किए बिना हम कैशलेस इकोनॉमी क्यों नहीं बन सके। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी 2016 के केंद्र के नोटबंदी के फैसले की निंदा की।

रामपुर में कुकर्म के बाद बालक की बेरहमी से हत्या, गन्ने के खेत में मिला लहूलुहान शव

रामपुर। बिलासपुर थाना क्षेत्र में कुकर्म के बाद बालक की हत्या कर दी गई। बालक का शव गन्ने के खेत में मिला। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। बिहार के जिला मुजफ्फरपुर में थाना कटरा के ग्राम सिदासपुर निवासी शत्रुघ्न साहनी की बिलासपुर के सोढ़ी कालोनी में ससुराल है। वह पानीपत में मजदूरी करते हैं। उनकी पत्नी रक्षाबंधन पर आठ साल के बेटे द्विवयम को लेकर मायके आई थी। तब से दोनों यहीं रह रहे थे सोढ़ी कालोनी में ही ग्राम टैहरा थाना पलिया जिला लखीमपुर खीरी का शिवा किराये के मकान में रहता था। आरोप है कि शिवा उनके बेटे को चार नवंबर को अपने साथ गन्ना खिलाने के बहाने राइस मिल के पास खेत में ले गया था। वहां उसने बालक के साथ कुकर्म कर उसकी हत्या कर दी थी और फरार हो गया था। स्वजन उसकी तलाश कर रहे थे। बुधवार सुबह स्वजन तलाश करते खेत पर पहुंचे, जहां बालक का शव मिला। बालक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। प्रभारी निरीक्षक नवाब सिंह पुलिस बल के साथ पहुंच गए। कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी भी आ गए। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने बालक के स्वजन से वार्ता कर उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

भाजपा नेताओं के घरों में नहीं चलता बाबा का बुलडोजर : अजय राय

महाराजपुर। भाजपा नेता आशु दिवाकर के धोखे व प्रताड़ना का शिकार होकर आत्महत्या करने वाले चकेरी निवासी बाबू सिंह यादव के घर पहुंचकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। परिवारीजनों से मिलते हुए छोटी बेटी काजल के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा कि डरने की जरूरत नहीं है। पीड़ित परिवार अकेले नहीं है। बल्कि पूरी प्रदेश कांग्रेस आपके साथ है। हम आपको न्याय दिलाने के लिए आखिरी दम तक लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपित भाजपा का बड़ा नेता है। पुलिस प्रशासन पूरी तरह दबाव में है।तभी उसकी अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। अजय राय ने कहा कि बाबा का बुलडोजर भाजपा नेताओं के घरों में नहीं चल पाता है। उन्होंने पीड़ित परिवार के सामने ही पुलिस कमिश्नर आरके स्वर्णकार से फोन पर बात कर कार्रवाई के बारे में जानकारी ली।

अजय राय ने आरोप लगाया कि पुलिस व प्रशासन भाजपा नेता के दबाव में इस कदर है कि घटना के दो माह होने को हैं और अभी तक आरोपित के घर कुर्की की कार्रवाई तक नहीं कराई जा सकी। बुलडोजर चलना तो बहुत दूर की बात है। सारे माफिया इस समय भाजपा में ही हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि स्वजन ने बताया कि अभी तक कोई भी भाजपा नेता स्वजन से मिलने नही पहुचा है। जबकि यहां से विधायक श्वयं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व सांसद देवेंद्र सिंह भोले हैं।अभी तक आशु दिवाकर को बाल आयोग सदस्य के पद से भी नहीं हटाया गया। इसी से समझा जा सकता है कि भाजपा का चाल व चरित्र दोहरा है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को जमीन वापस कराने व आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए कांग्रेस सरकार को घेरेगी।

कांग्रेसी नेता नरेश चंद्र त्रिपाठी लड़ेंगे निःशुल्क मुकदमा- प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पीड़ित परिवार को ढ़ाढस बंधाते हुए कहा कि आपका मुकदमा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी निश्शुल्क लड़ेंगे।स्थानीय कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता हर पल साथ खड़े रहेंगे।

पत्नी व बेटियों ने जमीन वापस दिलाने व आरोपित की गिरफ्तारी की उठाई मांग- मृतक बाबू सिंह यादव की पत्नी बिटान ,बेटियों रूबी व काजल ने मांग करते हुए कहा कि आशु दिवाकर ने पिताजी से जो जमीन धोखाधड़ी कर ली है।वो परिवार को वापस मिले और आरोपित की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो।

विदेश मंत्री कादिर ने चावल देने पर भारत का जताया आभार

नई दिल्ली। मलयेशिया के विदेश मंत्री जाम्ब्री अब्दुल कादिर भारत आए हुए हैं। इस दौरान, कादिर ने कहा कि भारत और मलयेशिया राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार करने के लिए एक रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। इसके साथ ही नए डोमेन और वस्तुओं को शामिल करने के लिए 12 साल पुराने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की समीक्षा करने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। भारत की तीन दिवसीय यात्रा के समापन पर कादिर ने कहा कि दोनों पक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, नई प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप जैसे नए और उभरते क्षेत्रों में व्यापार सहयोग बढ़ाने के इच्छुक हैं। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके मलेशियाई समकक्ष के बीच मंगलवार रात हुई बातचीत के दौरान संबंधों को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। भगोड़े जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण की भारत की मलयेशिया से लंबित मांग के बारे में पूछे जाने पर कादिर ने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कुआलालंपुर किसी व्यक्ति पर ध्यान देने के बजाय सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत करने में विश्वास रखता है। गौरतलब है, नाइक आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों और नफरत फैलाने वाले भाषणों के जरिए चरमपंथ को उकसाने समेत कई आरोपों में भारत में कई एजेंसियों की जांच का सामना कर रहा है। उसने साल 2016 में भारत छोड़ दिया था। कादिर ने हाल ही में 170,000 मीट्रिक टन गैर-बासमती सफेद चावल देने के लिए भारत आभार व्यक्त किया। भारत ने जुलाई में गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन पिछले महीने कुछ देशों के लिए प्रतिबंध हटा दिया गया था। चीन की बढ़ती आक्रामकता के मद्देनजर दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बारे में पूछे जाने पर कादिर ने कहा कि मलयेशिया और आसियान के अन्य सदस्य देश इस क्षेत्र को टकराव का मुद्दा नहीं बनने देना चाहते। भारत-मलयेशिया द्विपक्षीय व्यापार के विस्तार के लिए विभिन्न उपायों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार करने के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दे रहे हैं।

17 साल की नाबालिग चला रही थी देह व्यापार पुलिस ने किया भंडाफोड़, चार पीड़ितों को बचाया

मुंबई। नवी मुंबई से एक बड़ी हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां पुलिस ने एक देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसे एक नाबालिग लड़की द्वारा चलाया जा रहा था। पुलिस ने नवी मुंबई के एक होटल में 17 वर्षीय एक लड़की द्वारा कथित तौर पर चलाए जा रहे देह व्यापार रैकेट का खुलासा किया। यहां से चार महिलाओं को मुक्त कराया। एपीएमसी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वाशी इलाके में स्थित होटल में मंगलवार को छापा मारा। पुलिस ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए कहा कि मुंबई के मलाड की रहने वाली आरोपी लड़की धंधे से होने वाली कमाई में से कुछ हिस्सा पीड़ितों को देती थी, शेष अपने पास रख लेती थी। होटल में छापेमारी के बाद पुलिस ने चार महिलाओं को बचाया, जिनकी उम्र लगभग 20 वर्ष है। इनमें से एक नेपाल और दो बिहार की हैं। उन्हें उनके घर वापस भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने एक मोबाइल फोन, एक घड़ी और 84,030 रुपये की नकदी के अलावा 1.5 लाख रुपये से अधिक मूल्य के जाली नोट भी जब्त किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित स्कूल नौकरियों घोटाले के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को नौ नवंबर को यहां पेश होने के लिए बुलाया है। ईडी ने इससे पहले बनर्जी को नौ अक्तूबर को उसके सामने पेश होने के लिए

बुलाया था। पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री और टीएमसी प्रवक्ता शशि पांजा ने कहा कि बनर्जी गुरुवार को ईडी के सामने पेश होंगे और उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रतिशोध की राजनीति का शिकार हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा अगले साल की शुरूआत में महत्वपूर्ण चुनाव से पहले नेताओं को परेशान करने के लिए ऐसी राजनीति करती है।

मारा गया इस्त्राइल के ऊपर रातोंरात रॉकेट हमले का मास्टरमाइंड

यरुशलम। इस्त्राइल और हमास के बीच संघर्ष को अब एक महीने से ज्यादा हो चुके हैं। हमास की ओर से सात अक्तूबर को किए गए हमले में 1400 से ज्यादा इस्त्राइलियों की जान जा चुकी है। वहीं हजारों लोग घायल हुए हैं, जबकि 200 से ज्यादा इस्त्राइल के नागरिकों को हमास ने बंधक बनाया है। इस बीच इस्त्राइल ने भी अपने नागरिकों को छुड़ाने के लिए गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर वार जारी रखे हैं। इस बीच खबर है कि इस्त्राइली सेना ने सात अक्तूबर को गाजा की तरफ से इस्त्राइल पर रातोंरात मिसाइल हमले की पूरी साजिश रचने वाले हमास आतंकी को मार गिराया है। इस्त्राइल की सेना ने एक बयान में कहा कि उसने हमास के हथियार उत्पादन संभाग के प्रमुख मोहसिन अबु जिना को मार गिराया है। बताया गया है कि जिना हमास के लिए कूटनीतिक रॉकेट और हथियारों के उत्पादन का मास्टरमाइंड था। आईडीएफ ने कहा कि हमारे सैनिक गाजा पट्टी में अंदर घुसकर हमले कर रहे हैं, जिसमें आतंकियों को मार गिराया जा रहा है। साथ ही आतंकी ढांचों को भी हवाई हमलों में ध्वस्थ किया जा रहा है। ऐसे ही एक हमले में अबु जिना को मार गिराया गया। आईडीएफ अफसरों ने रात में ही एक आतंकी गुट का पता लगाया था, जो इस्त्राइली सुरक्षाबलों पर एंटी-टैंक मिसाइल से हमला करने वाले थे। इसके बाद इन आतंकियों को भी मार गिराया गया। इस्त्राइली सेना ने कहा कि उसके कई एयरक्राफ्ट्स को इस्त्राइल पर रॉकेट हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकी गुटों को मार गिराने के लिए भेजा गया। इसमें भी कई आतंकियों की मौत हुई है। इससे पहले इस्त्राइल की तरफ से एक वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें हमास की तरफ से इस्तेमाल हथियारों- ग्रेनेड, रॉकेट्स और विस्फोटक बेल्टों को दिखाया गया था।

'परमाणु हथियार के इस्तेमाल का खतरा', रूसी अफसर बोले- अमेरिकी नीति विनाशकारी, वैश्विक सुरक्षा पर असर

मॉस्को। रूस ने अमेरिका और इसके सहयोगियों को चेतावनी दी है। मामला परमाणु हथियारों से जुड़े खतरे का है। रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव ने बुधवार को चेतावनी दी कि पश्चिम की विनाशकारी नीति परमाणु, रासायनिक या जैविक हथियारों के उपयोग के जोखिम को बढ़ाती है। निकोलाई पेत्रुशेव ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन ने रूस में तीन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर हमला करने का प्रयास किया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी पेत्रुशेव ने सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस के हवाले से कहा, "संयुक्त राज्य अमेरिका की विनाशकारी नीतियों का स्वाभाविक परिणाम वैश्विक सुरक्षा में गिरावट है।" पेत्रुशेव ने कहा, "परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों के इस्तेमाल का खतरा बढ़ रहा है।" उन्होंने कहा, "अंतरराष्ट्रीय हथियार नियंत्रण व्यवस्था को कमजोर कर दिया गया है।" उन्होंने कहा, "मोल्दोवा (यूरोपीय शहर) अपनी संप्रभुता खोने की राह पर है, और पश्चिमी उपनिवेशवाद का एक और शिकार बनने का जोखिम है।" सचिव पेत्रुशेव का बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि उन्होंने पुतिन के उस बयान के कुछ दिनों बाद ही परमाणु से जुड़े खतरे के प्रति आगाह किया है। पुतिन ने कहा था कि यूक्रेन को सप्लाई किए गए कुछ पश्चिमी हथियार अवैध हथियार बाजार के माध्यम से मध्य पूर्व में पहुंच रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति के अनुसार, हथियार तालिबान को बेचे जा रहे हैं। पुतिन ने कहा, अमेरिका सवाल करता है कि हथियार यूक्रेन से मध्य पूर्व में आ रहे हैं। हां, ऐसा इसलिए है क्योंकि वे बेचे जा रहे हैं। उन्हें तालिबान को बेचा जा रहा है और वहां से वे कहीं भी चले जाते हैं। गौरतलब है कि यूक्रेन में रूस ने पिछले साल 24 फरवरी को सेना भेजी थी। पश्चिमी देशों पर रूसी सैनिकों को हराने के प्रयास में यूक्रेन को अरबों डॉलर के हथियार भेजने के आरोप लगे हैं। यूक्रेन का कहना है कि वह उसे आपूर्ति किए गए हथियारों पर कड़ा नियंत्रण रखता है, लेकिन कुछ पश्चिमी सुरक्षा अधिकारियों ने चिंता जताई है।

नीतीश कुमार ने मांगी माफी, सदन में भाजपा का हंगामा; सीएम बोले- यह लोग अंड-बंड बोल रहा

पटना। विधानसभा की कार्यवाही भोजनावकाश के बाद फिर से शुरू हुई। नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाया कि आप सत्ता पक्ष की ओर एक तरफा कार्यवाही करते हैं। हम आसन का सम्मान करते हैं। विजय सिन्हा ने पूछा कि क्या लोकतंत्र के मंदिर में सेक्स एजुकेशन शब्द का इस्तेमाल करना उचित है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को माफी मांगना चाहिए। स्पीकर ने कहा कि विपक्ष अपना काम करना चाहता है कि लेकिन नेता प्रतिपक्ष उन्हें काम नहीं करने देते हैं। नेता प्रतिपक्ष सदस्यों को ऐसे-ऐसे करते रहते हैं। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि आपके और नेता प्रतिपक्ष के पहले मैं भी आसन पर पांच साल रह चुका हूं। मेरी मांग है कि नेता प्रतिपक्ष ने जो आसन पर आक्षेप लगाया है उसे कार्यवाही से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री जब कल बोल रहे थे जब नेता प्रतिपक्ष और भाजपा को खराब नहीं लगा था। रात में जब दिल्ली से डांट पड़ी तो इनको खराब लगा। आज दिल्ली के आदेश पर काम कर रहे हैं। विधानसभा के बाद विधान परिषद में भी भाजपा ने जमकर प्रदर्शन किया। विरोध के बीच में सदन में बोलते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि अगर इस तरह की बात से किसी को ठेस पहुंचा है तो मैं अपनी बात को वापस लेता हूं। हम तो अपनी बात पर शर्म प्रकट कर रहे हैं। मैंने तो विधानसभा में भी कह दिया। हमलोग तो महिला के हित में काम करते आए हैं। महिला को कितना ज्यादा शिक्षा मिला

है। महिलाओं को शिक्षा के चलते किस तरह आबादी घट रही है। और अगर हमसे कोई गलती शब्द निकल गया तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। भाजपा के हंगामे पर झल्लाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह लोग जो अंड-बंड बोल रहा है। हमको तो लगता है कि इसको कहा गया है कि इतना काम हो रहा है कि बिहार में इसका विरोध करो। इसकी निंदा करो और इसके खिलाफ काम करो। इसलिए यह लोग ऐसा कर रहा है। मैंने तो पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मेरा उद्देश्य किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। मेरे मुंह से अगर असभ्य बात निकली तो मैं फिर से माफी मांगता हूं। इसके बाद भाजपा के हंगामे को देखते हुए विधानपरिषद की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इधर, नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री मेमेरी लॉस हो चुकी है। उनकी याददाश्त कमजोर हो चुकी है। उनका मेडिकल जांच होना चाहिए। मुख्यमंत्री सदन में बैठने योग्य नहीं है। उन्हें फौरन इस्तीफा दे देना चाहिए। वह सदन और बिहार की गरिमा को धूमिल कर रहे हैं। बिहार की मां बहने और सदन में बैठे विधायकों का सिर शर्म से झुक चुका है। पहले विधानसभा और फिर दो घंटे के बाद विधान परिषद में इस तरह की आपत्तिजनक बयानबाजी गलत है। मुख्यमंत्री को फौरन इस्तीफा देना चाहिए। तेजस्वी यादव द्वारा मुख्यमंत्री के बयान को सेक्स एजुकेशन कहते पर विजय सिन्हा ने कहा कि तेजस्वी यादव बिहार की जनता को सेक्स एजुकेशन का ज्ञान नहीं हैं। उनके बारे में पूरा बिहार जानती है।

राजस्थान में कांग्रेस के साथ किया समझौता अखिलेश की नाराजगी जायज : जयंत चौधरी

बागपत। एशियन गेम्स के पदक विजेताओं का सम्मान करने के लिए रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह बुधवार को बागपत पहुंचे। चौधरी जयंत सिंह सभी पदक विजेताओं के गांव में जाएंगे। जयंत चौधरी बागपत में खेकड़ा के गांधी इंटर कॉलेज में पहुंचे हैं और मवीखुर्द में उनका आखिरी कार्यक्रम होगा। इस तरह वहआठ घंटे बागपत में रहेंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि वहां सरकार दोबारा चुनकर आए। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने खेकड़ा के गांधी इंटर कॉलेज में इंडोर स्टेडियम का शिलान्यास किया' वहीं पैरा ओलंपिक खिलाड़ी अंकुर धामा के परिजनों को बधाई देकर मोमेंटो भेंट किया। बुधवार को चौधरी जयंत सिंह खेकड़ा में पहुंचे ' सर्वप्रथम उन्होंने मोहल्ला रामपुर निवासी पैरा ओलंपिक खिलाड़ी अंकुर धामा के आवास पर पहुंचकर उसके परिजनों को अंकुर धामा की इस सफलता के लिए बधाई दी' इसके बाद गांधी इंटर कॉलेज में पहुंचकर खिलाड़ियों के लिए सांसद निधि से करीब 60 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इंडोर निर्माण के लिए शिलान्यास किया। जनसभा में बोलते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ओलंपिक खेलों का आयोजन

करना चाहते हैं' मैं इसका विरोध करता हूं, क्योंकि कॉमनवेल्थ गेम इंडिया में उन पर मोटा पैसा खर्च किया गया था' उसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार भी हुआ था' प्रधानमंत्री जितना पैसा ओलंपिक खेलों पर खर्च करना चाहते हैं' उससे देश में ढाई लाख ग्राम पंचायत में स्टेडियम बनवाकर उनमें कोच नियुक्त किए जा सकते हैं' इससे युवा पीढ़ियों का रुझान खेलों की ओर बढ़ेगा।

संपादकीय

गाजा में चल रहा युद्ध महिलाओं और बच्चों के लिए विनाशकारी साबित

अतीत से लेकर अब तक के सभी युद्ध बच्चों और महिलाओं के लिए त्रासद अमानवीय हालात ही पैदा करते रहे हैं। इसमें लड़ाई दो देशों के बीच होती है, मगर इसका बेहद तकलीफदेह खमियाजा बच्चों, बूढ़ों और महिलाओं को उठाना पड़ता है। करीब एक महीने पहले हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में इजराइल की बमबारी से व्यापक तबाही हो चुकी है। अब तक करीब दस हजार लोग मारे जा चुके हैं। सबसे त्रासद है कि इसमें जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या चार हजार से ज्यादा हो चुकी है। ये वे बच्चे थे, जिनकी युद्ध और हिंसा के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं थी, लेकिन उन्हें भी निशाना बनाने में कोई संकोच नहीं दिखाया गया। इसमें कोई दो राय नहीं कि इजराइली सीमा में हमास का अचानक हमला और उसमें चौदह सौ लोगों की हत्या बर्बरता का एक उदाहरण है। इजराइल की ओर से उसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी, लेकिन इससे फिलिस्तीन में इतनी बड़ी तादाद में आम लोगों और बच्चों के मारे जाने को उचित नहीं माना जा सकता। इस मसले पर संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी जारी की कि गाजा में चल रहा युद्ध बच्चों के लिए विनाशकारी साबित हो रहा है। फिर भी युद्ध विराम जैसी किसी मांग पर विचार तक करने की जरूरत नहीं समझी जा रही। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इजराइली हवाई हमलों में आम रिहाइशी इलाकों, अस्पतालों और राहत शिविरों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। ऐसी जगहों पर शरण लेने वाले बच्चों और महिलाओं का मारा जाना बताता है कि न तो अब युद्ध के लिए किसी अंतरराष्ट्रीय कानून की परवाह करने की जरूरत समझी जा रही है और न मानवीयता और उसके नैतिक तकाजों के लिए कोई जगह रह गई है। हमास ने जिस तरह आम लोगों के खिलाफ बर्बरता की, उसका बचाव नहीं किया जा सकता, लेकिन इसके बाद इजराइल ने जो रुख अख्तियार किया हुआ है, वह उसे हमास की ही श्रेणी में खड़ा कर देता है। उसके हमले में पनाहगाह बने अस्पताल और स्कूल जैसी जगहों को बख्श देने का कोई नैतिक तकाजा नहीं बचा दिखता है। हालत यह है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर जताई गई चिंता और उसके मुताबिक इजराइल को अपनी आक्रामकता पर पुनर्विचार करने की कोई जरूरत महसूस नहीं हो रही। नतीजतन, उसके हमले के सबसे त्रासद शिकार महिलाएं और बच्चे हो रहे हैं। सवाल है कि जिन मासूमों का सामूहिक कत्लेआम किया जा रहा है, युद्ध को शुरू करने में उनकी क्या भूमिका थी? हर युद्ध के दौरान महिलाएं और बच्चे बस शांति का इंतजार कर रहे होते हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि युद्ध में शिकार केवल दोनों पक्षों के मोर्चे पर मौजूद सैनिक नहीं होते। खासकर आधुनिक युद्ध का जो तकनीकी स्वरूप हो गया है, उसमें सैनिक कम और आम लोग ज्यादा मारे जाते हैं। इस दौर में नई तकनीकों और विज्ञान के औजारों के बूते दुश्मन देश में भी चप्पे-चप्पे के बारे में जानकारी निकाल ली जाती है, उसमें चुन कर ठीक निशाने पर हमले किए जा रहे हैं। मगर इतनी बड़ी तादाद में बच्चों का मारा जाना यह बताता है कि इजराइल के लिए अब युद्ध की नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खयाल रखना बिना महत्त्व के मसले हैं। सवाल है कि युद्ध की यह आग कितने और बच्चों की जान लेगी और उसे भविष्य में कैसे सही ठहराया जा सकेगा?

ईंदेश !

मांग रहे अब माफी ।
देकर गलत बयान ।।
खुद ही खुद से खो रहे ।
लगता अब सम्मान ।।
क्यों आई ये नौबत ?
चल दिए इस राह ।।
हो रहे शमिंर्दा ।
सब तो हैं गवाह ।।
बना कैसा योग ।
लिख रहे हैं गाथा ।।
छूटा तीर कमान से ।
पीटो चाहे माथा ।।
हुआ स्वतः ये भान ।
याद अचानक आई ।।
हम ही हैं सर्वोत्तम ।
दे रहे दुहाई ।।

–कृष्णेन्द्र राय

चुनावी बेला में राहुल गांधी की केदारनाथ यात्रा के मायने क्या हैं?

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय राजनीति में मुस्लिम तुष्टिकरण को चुनाव जीतने का मन्त्र मन जाता रहा है किन्तु 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने और फिर माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोध्या पर मंदिर के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय दिए जाने के बाद स्थितियों में बड़ा बदलाव आया है।

कुछ वर्ष पूर्व तक भरतीय जनता पार्टी की ओर से नारा लगाया जाता था, ह्लरामलला हम आयेंगे मंदिर वहीं बनायेंगेह्व और विरोधी दल पलटवार करते हुए कहते थे, ह्लरामलला हम आयेंगें मंदिर वहीं बनायेंगें किंतु तारीख नहीं बतायेंगेह्व। इस चुनाव में सब कुछ परिवर्तित हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आ जाने के बाद अयोध्या नगरी में दिव्य-भव्य गगनचुम्बी राम मंदिर का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर है, रामलला के विराजमान होने की तिथि भी आ गयी है। आगामी 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम अपने अस्थायी मंदिर से नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं अब वहां पर भाजपा के सभी स्टार प्रचारक अयोध्या की बात कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में श्री राम मंदिर का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है जिसके कारण वहां कांग्रेस पार्टी असहज महसूस कर रही है क्योंकि भापजा की ओर से अब केवल यह कहा जा रहा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में सबसे बड़ी बाधा कांग्रेस ही रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित बड़े नेता तूफानी चुनाव प्रचार कर रहे हैं और जनता जनार्दन को अयोध्या दर्शन के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में राम मंदिर का उदघाटन कर रहे हैं। अतः छत्तीसगढ़ में रामलला दर्शन योजना लाई जायेगी ताकि छत्तीसगढ़ के लोग राम मंदिर का दर्शन कर सकें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण देश में रामराज्य का आरम्भ होगा, जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में अपने साढ़े नौ साल के दौरान योजनाओं के माध्यम से राम राज्य की नींव रखी है। यहां पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के तमाम दिग्गज नेता धुधांधार प्रचार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में हिंदू धर्म को समाप्त करने के लिए ईसाई मिशनरीज जहां हिंदू समाज का सरकारी सहयोग के बल पर धर्मांतरण करा रही हैं तो वहीं हिंदू मुस्लिम जिहाद से भी आर्तकित हो रहे हैं। राज्य में धर्मांतरण की रोकथाम के लिए भाजपा उत्तराखंड व यूपी की तरह धर्मांतरण की रोकथाम के लिए एक व्यापक कानून लाने की बात भी कह रही है।

राजस्थान में भी भाजपा की ओर से समग्र हिन्दुत्व की विचारधारा व उसके विकास को समाहित करते हुए चुनाव प्रचार किया जा रहा है। राजस्थान में नाथ संप्रदाय का बहुत महत्व है और जनसंख्या के आधार पर कुछ सीटों पर वह असरकारी भी है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी वहां भी स्टार प्रचारक हैं और काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन पूजन

करने के बाद अपना अभियान प्रारम्भ किया है। योगी जी ने अपना चुनाव अभियान अजमेर में उसी जगह से प्रारम्भ किया जहां पर प्रशासन ने 300 साल पुराने एक शिव मंदिर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख भी बता दी गई है। मंदिर उद्घाटन की तिथि बता दिये जाने के बाद भी सेक्युलर दलों में काफी तनाव है और यही कारण है कि उनकी ओर से भी लगातार अजब-गजब प्रकार के बयान आ रहे हैं। जहाँ एक ओर अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के कारण मुस्लिम समाज को भड़काने का अथक प्रयास किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, सपा, बसपा सहित आप पार्टी के लोग अब कहने लगे हैं कि ह्वराम तो सभी के हैं। राहुल गांधी चले केदारनाथ-विधानसभा चुनावों में भाजपा की आक्रामक रणनीति और चुनावों मे कांटे की टक्कर को देखते हुए कांग्रेस गहरे दबाव मे आ गई है और यही कारण है कि जो राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हिंदू बनाम हिंदुत्व और तपस्वी बनाम पुजारी में घृणित और विकृत मानसिकता के साथ भेद पैदा कर रहे थे वही अब अपने आप को उदार हिंदू दिखाते हुए केदारनाथ धाम जाकर राजनैतिक विश्लेष्कों को व हिंदू जनमानस को प्रभावित करने का असफल प्रयास कर रहे हैं। सच तो ये है कि राहुल गांधी ने केदारनाथ दौरे से स्वयं को ही कई प्रश्नों के चक्रव्यूह में फंसा लिया है क्योंकि यह वही राहुल गांधी हैं जो विदेशों में जाकर भी हिंदू धर्म का अपमान करते रहे हैं और मंदिरों के विषय में विकृत बयानबाजी करते रहे हैं। राहुल गांधी का अभी तक मानना रहा है कि हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां शक्तिहीन हैं। वह यह बयान भी दे चुके हैं कि हिंदू लोग मंदिरों में लड़कियां छेड़ने जाते हैं। राहुल गांधी हिंदू समाज को विभाजित करने के लिए जातिगत जनगणना का अभियान भी चला रहे हैं।

जब ज्ञानवापी प्रकरण में हिंदू पक्षकारों ने शिवलिंग मिलने का दावा किया था तब कांग्रेस उसे फव्वारा बता रही थी। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए लगातार बाधा डाली और उन्हें भगवान राम व रामचरित मानस को काल्पनिक बताकर हिंदू समाज का हर क्षण अपमान किया। तमिलनाडु के द्रमुक नेताओं द्वारा सनातन हिंदू समाज के उन्मूलन की बात पर गांधी परिवार पूरी तरह से मौन साध गया। अभी अचानक ऐसा क्या हो गया कि राहुल गांधी अपना सारा काम छोड़कर केदारनाथ धाम पहुंच गये। सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह की बात कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की राजनीति में महादेव एप का विवाद चल रहा है जिस पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि घोटालेबाजों ने महादेव को भी नहीं छोड़ा संभवतः उनकी इसी बात का असर हुआ और राहुल गांधी केदारनाथ धाम पहुंच गये। यह भी कहा जा रहा है कि विधान सभा चुनावों में अभी तक कांग्रेस की गारंटियों का कोई ऐसा असर नहीं दिख रहा है यही कारण है कि राहुल गांधी हिंदू समाज की आंखों में धूल झोंकने के लिए केदारनाथ धाम पहुंच गये हैं। सोशल मीडिया पर काफी हंगामा हो जाने के बाद कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर आ गयी और उसे बयान देना पड़ा कि यह राहुल की निजी आध्यात्मिक यात्रा है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी हिंदू व सनातन धर्म को लेकर पूरी तरह से भ्रमित रहती है।

सभी दलों में चुनाव दर चुनाव बढ़ती जा रही है बागियों की संख्या

ललित गर्ग

पांच राज्यों के विधानसभा से पहले अनेक राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं के बीच बड़ी उठापटक, खींचतान एवं चरित्रगत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस ही आमने-सामने की स्थिति में हैं, लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर इन दोनों ही दलों में दोनों ही राज्यों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों में अपने आपको पार्टी का सर्वेसर्वा मानने वाले नेताओं की इस बार टिकट बंटवारे में दाल नहीं गली और वे अपने चेहतों को टिकट देने में नाकाम साबित हुए, जिससे दोनों ही दलों में भारी असंतोष एवं विद्रोह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के शीर्ष नेताओं को भी टिकट न मिलने से बागी एवं बगावती स्वर उभर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है? क्या पार्टी के प्रति बफादारी का गुब्बारा एक टिकट न मिलने की सूई से ही हवा शून्य हो गया है? एक प्रश्न और है कि टिकट क्या किन्हीं नेताओं की बपौती है, फिर बाकी कार्यकताओं का क्या वजूद है जो सालों से पार्टी के लिये जी-जान लगाये होते हैं? क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? लोकतंत्र में जब मूल्य एवं सिद्धान्त कमजोर हो जाते हैं और सिर्फ निजी हैसियत को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है वह लोकतंत्र निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है।

अफसोस, कि जिस जन की सेवा के लिए चुनाव टिकट रूपी एंट्री पास तैयार किया गया है, वह जन पहले भी हतप्रभ था, आज भी है और शायद आगे भी रहेगा। क्योंकि आम मतदाता तो पहले भी ठगा जाता था, गुमराह किया जाता था। आज भी उसके साथ यही हो रहा है? टिकट की दौड़ के लिये सक्रिय होने एवं पांच साल में केवल चुनाव के समय नजर आने वाले उम्मीदवारों को दोनों पार्टियों ने टिकट न देकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। राजनीति में ऐसे ही साहसिक एवं अभिनव प्रयोग की अपेक्षा है, ताकि राजनीति में प्रतिनिधित्व की पात्रता किन्हीं सीमित हाथों से बाहर आये एवं नये चेहरों को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिले। राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन के आखिरी दिन अनेक चेहरों को निराशा हाथ लगी है। भाजपा की आखिरी लिस्ट आ चुकी है, लेकिन इस लिस्ट में केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया है। भाजपा ने इस बार वसुंधरा राजे के कई समर्थकों के टिकट काट दिए हैं। इनमें अशोक परनामी, अरुण चतुवेर्दी प्रमुख हैं और दोनों नेता ऐसे हैं जो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इनके साथ ही पूर्व मंत्री एवं राजे के खास यूनुस खान का भी टिकट काट दिया गया है। राजपाल सिंह शेखावत और राव राजेन्द्र का टिकट भी पार्टी ने काट दिया है। कांग्रेस में भी ऐसे अनेक महत्वपूर्ण चेहरों को निराशा हाथ लगी है। टिकट न मिलने से पार्टी के इन वफादार सैनिकों के स्वरों में भी बगावत देखने को मिल रही है। निश्चित ही दोनों ही दलों में टिकट बंटवारे में आजमाये इन नये प्रयोगों का व्यापक असर देखने को मिलेगा। राजस्थान के अनेक राजनीतिक विश्लेषकों से चर्चा से यह तथ्य भी सामने आया है कि दलों में हो रहे इन बदलावों का नकारात्मक ही नहीं, सकारात्मक परिणाम भी सामने आयेगा। चुनाव के समय राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष होना स्वाभाविक है। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों मेहनत करे और टिकट वितरण के समय उसे दरकिनार कर दूसरे या किसी आयातित व्यक्ति को टिकट दे दिया जाए तो राजनीति में निष्ठा और समर्पण का पैमाना अपने आप ध्वस्त होने लगता है। वैसे भी हर पार्टी में एक सीट पर टिकट के एक से अधिक आकांक्षी होते हैं। दलों की संवैधानिक मयार्दा एवं सीमाएं हैं कि वे चुनाव में किसी एक को ही टिकट दे सकती हैं। ऐसे में बाकी को या तो पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का समर्थन करना होगा या फिर दूसरे किसी दल से टिकट लेकर अथवा निर्दलीय चुनाव में खड़ा होना होगा। टिकट न मिलने वालों को अपनी नाराजगी प्रकट करने का अधिकार है, वे चाहें तो पार्टी हाई कमान और टिकट वितरणकताओं के सामने खुलकर अपनी नाराजगी का प्रदर्शन कर मन को हल्का करें या अनैतिक विकल्प के तौर पर पार्टी में रहकर ही भितरघात कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाकर अपनी उपेक्षा का बदला लें और अगले चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का खाता खुला रखें।

सरकारों के तमाम दावों के बावजूद देश में नहीं सुधर रहे हैं सीवर सफाई कर्मियों के हालात

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने गत दिनों केन्द्र व सभी राज्य सरकारों को निर्देशित किया है कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी दिव्यांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। पीठ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो जाए।

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति भट ने कहा कि यदि सफाईकर्मी अन्य दिव्यांगता से ग्रस्त है तो अधिकारियों को उसे 10 लाख रुपये तक का भुगतान करना होगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी भी किए। पीठ ने निर्देश दिया कि सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वय करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं न हों और इसके अलावा उच्च न्यायालयों को सीवर से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से न रोका जाए। कोर्ट का यह फैसला एक जनहित याचिका पर आया है। प्रतिबंध के बावजूद आज भी भारत में गंदी नालियों और सेप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों द्वारा हाथों से की जाती है। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि पिछले पांच सालों में इस तरह की सफाई करने के दौरान 347 लोगों की मौत हो गई। लोक

सभा में सामाजिक न्याय मंत्रालय से पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्रालय ने माना है कि भारत में इंसानों से गंदे नालों और सेप्टिक टैंकों को साफ करवाने की प्रथा अभी भी जारी है और इसमें सैंकड़ों लोगों की जान जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि इस खतरनाक काम को करने के दौरान 2017 में 92, 2018 में 67, 2019 में 116, 2020 में 19, 2021 में 36 और 2022 में 17 सफाई कर्मियों की जान जा चुकी है। देश के 18 राज्यों के आंकड़े मंत्रालय के पास हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इन पांच सालों में इस तरह की सफाई के दौरान सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 51 लोग मारे गए। उसके बाद तमिलनाडु में 48 लोग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 44 लोग, हरियाणा में 38 लोग, महाराष्ट्र में 34 लोग और गुजरात में 28 लोग मारे गए हैं। लेकिन लोगों का कहना है कि सीवर में मरने वालों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कई गुना अधिक है।

इस प्रथा को बंद करने की मांग करने वाले लोगों का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में आज भी गंदे नालों और सेप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों से करवाई जाती है। सीवर सफाई के दौरान हादसों में मजदूरों की दर्दनाक मौतों की खबरें आती रहती हैं। अधिकांश जगह आज भी मजदूर सीवर की बिना मास्क, ग्लब्स और सुरक्षा उपकरणों के सफाई करते हैं। सीवर की सफाई करने वालों की मौत होने के साथ ही उन पर निर्भर परिवार भी बेसहारा हो जाता है। परिवार की आमदनी का जरिया अचानक से बंद हो जाता है। देश में जाम सीवर की मरम्मत करने के दौरान प्रतिवर्ष दम घुटने से काफी लोग मारे जाते हैं। इससे पता चलता है कि हमारी गंदगी साफ करने वाले हमारे ही जैसे इंसानों की जान कितनी सस्ती है। सीवर सफाई के काम में लगे लोगों को सामाजिक उपेक्षा का भी सामना करना पड़ता है। देश में पिछले एक वर्ष में सीवर की सफाई करने के दौरान 200 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। इस अमानवीय त्रासदी में मरने वाले अधिकांश लोग असंगठित दैनिक मजदूर होते हैं। इस कारण इनके मरने पर कहीं विरोध दर्ज नहीं होता है। देश में करीबन 27 लाख सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। जिसमें से 20 लाख ठेके पर काम करते हैं। एक सफाईकर्मी की औसतन कमाई 7 से 10 हजार रुपये प्रति माह तक होती है। गंदगी में काम करने से आधे से अधिक सफाई कर्मी तो कई बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं।

सीवेज पंपिंग स्टेशन समस्या को लेकर पार्षद के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। पुराना रामनगर वार्ड में गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई उत्तर प्रदेश जल निगम सीवेज पंपिंग स्टेशन रामनगर वाराणसी पर किसानों की समस्या को लेकर पार्षद रामकुमार यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। जिसमें किसानों की समस्या है कि गेहूं व सरसों की बुवाई की समय हो गई है यहां पर सारे पंप खराब पड़े हुए हैं किसानों की समस्या सुनने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी यहां पर मौजूद नहीं है।किसानों की खेती पिछडी जा रही है पार्षद ने कहा इसके बंद रहने से सारा गंदा पानी गंगा जी में जा रहा है। किसान जब पंप पर जा रहे हैं तो वहां पर पंप ऑपरेटर द्वारा उन्हें मशीन खराब कहकर वापस कर दिया जा रहा है अगर एक हफ्ते में किसानो की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसान आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

बरेका में चिकित्सकीय मामलें से नैदानिक सतर्कता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सतर्कता पखवारे के अवसर पर चिकित्सकीय मामले में नैदानिक सतर्कता सेवा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ` कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए बरेका के प्रमुख मुख्य चिकित्साधिकारी डा० देवेश कुमार ने बताया कि चिकित्सा सेवा से जुड़े कर्मियों के लिए प्रोफेशनल ethics के अलावा सरकारी कार्यकलापों में पारदर्शिता, जवाबदेही व कार्यकुशलता हेतु सतत सतर्कता की आवश्यकता होती है जिसके लिए नियमित प्रशिक्षण द्वारा अद्यतन जानकारी प्राप्त करते रहना चाहिए जिसके लिए सभी चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ तत्पर रहें` प्रमोद कुमार चौधरी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, बरेका ने चिकित्सा सेवा में कोड ऑफ कंडक्ट टेंडर एंड पब्लिक प्रोक्योरमेंट मैटेरियल मैनेजमेंट तथा चिकित्सा परीक्षण के मामलों में सतर्कता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम में उपस्थित जनों का शंका समाधान किया` कार्यक्रम में वक्तागण ने वहिरंग व अंतरंग विभाग में कार्यरत सभी डॉक्टरों, वार्ड मैट्रन, फार्मासिस्ट, एक्स-रे टेक्नीशियन व चिकित्सा कार्यालय अधीक्षक को सभी नियमित कार्य में सतर्कता बरतने के प्रशिक्षित किया गया ताकि वे बेहतर रोगी संतुष्टि व सुविधा प्रदान करने के साथ- साथ आधुनिक तरीके से प्रबंधन व निगरानी करने में प्रशासन को सहयोग कर सकें` अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० सुनील कुमार, डा० एस के शर्मा, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डा० मधुलिका सिंह, डा० मिन्हाज अहमद व डा० एस० के० मौर्य, मंडल चिकित्सा अधिकारी डा.विशाल मिश्रा, डा० अमित गुप्ता व डा० सौरभ सागर तथा नर्सिंग अधिकारी गीता चौधरी के अतिरिक्त सभी नर्सिंग वार्ड मैट्रन व फार्मासिस्ट संवर्ग के कर्मी, लैब टेक्नीशियन व चिकित्सा कार्यालय अधीक्षक सहित 60 व्यक्तियों ने सक्रिय रुप से भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम के अंत में सम्मिलित सभी लोगों ने सतत सतर्क रहते हुए पारदर्शिता, जबावदेही, प्रणाली सुधार व कार्यान्वयन हेतु दृढ़ संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का हुआ पूर्वाभ्यास

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में बुधवार को 27 वें दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वर्णपदक पाने वाले विद्यार्थियों को पूर्वाभ्यास कराया। दीक्षांत समारोह गुरुवार को विश्वविद्यालय में आयोजित होगा। इसमें प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि (पीपल्स वर्ल्ड कमीशन ऑन ड्राउट एण्ड फ्लड, स्वीडन) तरुण भारत संघ, राजस्थान के चेयरमैन डॉ. राजेंद्र सिंह की भूमिका में डॉ श्याम कन्हैया और विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी की भूमिका में मनोविज्ञान विभाग की डॉ अनु त्यागी थीं। बुधवार को पूर्वाभ्यास में मा.राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की भूमिका का निर्वहन बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रो. वंदना राय ने किया। पूर्वाभ्यास की शुरूआत में शोभायात्रा निकाली गई । इसका नेतृत्व कुलसचिव महेंद्र कुमार ने किया। इसमें विद्या परिषद और कार्य परिषद के सदस्य शामिल हुए। स्वर्ण पदक धारकों को आवश्यक दिशा- निर्देश भी दिए गए। संचालन जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक बी एन सिंह,प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. बी डी शर्मा, प्रो. राम नारायण, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. संदीप सिंह, पूर्व एनएसएस समन्वयक प्रो. राकेश यादव, डा. रसिकेश, डा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, उप कुलसचिव अमृतलाल, बबिता सिंह, डा. लक्ष्मी मौर्य, डॉ. पी के कौशिक, श्याम श्रीवास्तव, इंद्रेश गंगवार आदि लोग उपस्थित रहे।

11 बजे से शुरू होगा दीक्षांत समारोह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का सत्ताइसवां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में नौ नवंबर को होगा। इसके मुख्य अतिथि (पीपल्स वर्ल्ड कमीशन ऑन ड्राउट एण्ड फ्लड, स्वीडन) तरुण भारत संघ, राजस्थान के चेयरमैन डॉ. राजेंद्र सिंह होंगे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। 81 मेधावियों को राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक मिलेगा। इसके साथ ही 222 पीएच.डी.धारकों को उपाधि प्रदान करेंगी। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए 10.50 बजे दिन में मा कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की आगमन विश्वविद्यालय परिसर स्थित हेलीपैड पर होगा। इसके बाद 11.00 बजे से 1.30 बजे तक दिन में विश्वविद्यालय के संगोष्ठी में आयोजित दीक्षांत समारोह में रहेंगीं।

फिलिस्तीन में जारी जनसंहार के खिलाफ वाम दलों ने किया देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाकपा माले के कार्यकताओं ने जमानियां तहसील मुख्यालय पर एकदिवसीय धरना एवं सभा के माध्यम महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को संबोधित मांग पत्र दिया गया। सभा को संबोधित करते भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि फिलिस्तीन पर लगातार जारी अमरीकी-इसरायली हमले के 7 नवंबर 2023 को एक महीने पूरे हो गए। अब तक 10 हजार से ज्यादा बेगुनाह जानें जा चुकी हैं जिनमें लगभग 6 हजार बच्चे व महिलाएं शामिल हैं। रिहायशी इलाकों, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, मस्जिदों , राहत कैंप व एम्बुलेंसों पर बमबारी जारी है। बिजली, पानी , रसद व जीवन रक्षक दवाओं की आपूर्ति काट दी गई है। अमरीका के प्रत्यक्ष सैनिकझकूटनीतिक समर्थन समेत अन्य साम्राज्यवादी देशों की मदद से ह्यआत्मरक्षाह्ल के नाम पर किया जा रहा यह एक खुला जनसंहार है। एक

समूचे देश के वजूद को मिटा देने की कोशिश है। युद्ध व मानवाधिकार से जुड़े तमाम अंतरराष्ट्रीय नियम व मान्यताएं स्थगित कर दी गई हैं. घेर कर मारेंगे और रोने भी नहीं देंगे की तर्ज पर अमरीका के नेतृत्व में खुली दादागिरी चल रही है। कुल मिलाकर जुल्म और अन्याय के एक भयानक दौर के हम गवाह हैं। दुनिया भर में लाखों लोग सड़कों पर आकर न सिर्फ. इसका विरोध करते हुए तत्काल शांति की मांग कर रहे हैं बल्कि अपनी सरकारों पर फिलिस्तीनी अवाम के पक्ष में खड़े होने का दबाव बना रहे हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में अमरीका और यूरोप के लाखों लोगों के साथ हमारे नाम पर नहीं के नारे के साथ यहूदी समुदाय के लोग भी सड़कों पर हैं। भारत फिलिस्तीनी आवाम के मुक्ति आंदोलन का पुराना समर्थक रहा है। पर देश की मौजूदा मोदी सरकार न्याय और शांति के हमारे इस परंपरागत रुख को पलटकर बेगुनाहों के नरसंहार और खुले अन्याय के समर्थन में खड़े होते हुए अमरीका-इसरायल परस्त विदेश नीति पर चल रही है। देश के विदेश मंत्री व रक्षा मंत्री की अपने अमरीकी समकक्षों के साथ संयुक्त द्विपक्षीय वार्ता इसी बीच होने वाली है जिसके लिए वे भारत आ रहे हैं।

ऐसे में हम भारत के लोग भी अपनी पूरी ताकत से सड़क पर उतरें और इस जुल्म का विरोध दर्ज करते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग उठाएं। अमरीका-इसरायल परस्त विदेश नीति छोड़कर फिलिस्तीन के पक्ष में शांतिपूर्ण राजनीतिक समाधान की मांग करने के लिए मोदी सरकार पर भी दबाव बनाएं। फिलिस्तीनी जनता की तकलीफों और संघर्ष में अपनी एकजुटता जाहिर करें। सभा में प्रमुख रूप से भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, विजय बनवासी, रामप्रवेश कुशवाहा, चन्द्रावती बिन्द, गोरख राजभर, मुराली बनवासी, बुच्चीलाल, सुबेदार राम, रामनगीना पासी, लालू बिन्द, लालजी बनवासी, जगबली राजभर, श्यामप्यारी देवी आदि शामिल रहे।

9 नवंबर को होगा विधिक सेवा दिवस, दश कक्षीय सभागार में हुई बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार दिनांक 09 नवंबर 2023 को विधिक सेवा दिवस का आयोजन किया जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अन्तर्गत आम जनमानस को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु प्रचार-प्रसार एवं विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किये जाने हेतु बुधवार को जनपद न्यायालय गाजीपुर के दसकक्षीय सभागार में अपराह्न 02:00 बजे आहूत की गयी है। जिसमें पैनल अधिवक्ता, पराविधिक स्वयं सेवकगण, आशा बहुये एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री उपस्थित हुए।उक्त बैठक में दिनांक 09 नवंबर 2023 को विधिक सेवा दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। आम जन मानस में निःशुल्क विधिक सहायता एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु पैनल अधिवक्ता, पराविधिक स्वयं सेवकगण, आशा बहुये एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री को निर्देशित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

डीएम के निदेर्शानुसार खाद्य विभाग की छापामारी जारी, 7 की हुई सैंपलिंग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ तथा जिलाधिकारी महोदया गाजीपुर के आदेश पर आर0सी0 पाण्डेय सहायक आयुक्त (खाद्य) गाजीपुर के निर्देशन में दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूध पर्व के अवसर पर जनपद गाजीपुर के आम जनमानस को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कुल 07 नमूनें संग्रहित किये गये, एवं 1408 किलोग्राम चना की दाल अनुमानित मूल्य 102784/- (एक लाख दो हजार सात सौ चौरासी) सीज/जब्त किया गया, उन्होने बताया कि संग्रहित नमूनें खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0 प्रेषित किये जा रहें है, जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी।नमूना संग्रह की कार्यवाही श्री आर0पी0 सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गाजीपुर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों श्री अवधेश कुमार, श्री गुलाब चन्द गुप्त, श्री गोपाल चन्द, श्री समला प्रसाद यादव, श्री राजीव कुमार सिंह एवं श्री विरेन्द्र यादव की टीम द्वारा की गयी।

नगर पंचायत हैसर के अध्यक्ष रिंकू मणि ने जीपीए संगठन के पत्रकारों का बीमा राशि देकर पत्रकारों का बढ़ाया हौसला

प्रखर संतकबीरनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संत कबीर नगर पत्रकारों को सामूहिक बीमा के लिए घोषणा करने वाली नगर पंचायत हैसर धनघटा की अध्यक्ष रिंकू मणि ने जनपद के संगठन के सभी पत्रकारों का बीमा राशि देकर पत्रकारों के हौसले को बढ़ाया है जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं उक्त बातें खलीलाबाद तहसील के कार्यकारी तहसील अध्यक्ष मुहम्मद परवेज अख्तर ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विगत 11 अक्टूबर को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के आजीवन प्रदेश कोषाध्यक्ष रहे उमाशंकर चौधरी के द्वितीय पुण्यतिथि पर धनघटा तहसील इकाई द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची नगर पंचायत अध्यक्ष ने पत्रकारों के तरफ से ग्रामीण पत्रकार संघ बस्ती मंडल मीडिया प्रभारी सौरभ त्रिपाठी के अनुरोध पर उन्होने पत्रकार साथियों का सामूहिक बीमा करने का घोषणा किया था जिस क्रम में बुधवार को बस्ती मंडल प्रवक्ता सौरभ त्रिपाठी को अपने आवास पर बुलाकर बीमा में लगने वाली संपूर्ण राशि का भुगतान चेक द्वारा कर दिया जिससे कि अब जनपद के पत्रकार 1 साल के लिए ग्रुप इंश्योरेंस के तहत दुर्घटना के शिकार होने पर इसका फायदा ले सकेंगे। जिस क्रम में खलीलाबाद कार्यकारी तहसील अध्यक्ष मुहम्मद परवेज अख्तर ने खलीलाबाद तहसील इकाई की तरफ से आभार प्रकट करते हुए कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष का कार्य बेहद सराहनीय है।

संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर के ज्ञानपीठ सभागार में जागरूकता फैलाने एवं ट्रैफिक नियमों की दी गयी जानकारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर, हरहुआ, वाराणसी के ज्ञानपीठ सभागार में यातायात माह के अवसर पर जागरूकता फैलाने एवं ट्रैफिक नियमों की सटीक जानकारी देने के लिए यातायात विभाग से देवानंद बरनवाल (टी.एस.आई.) ने अत्यंत सतर्कता के साथ ट्रैफिक से जुड़े नियमों के अनुपालन की विस्तृत जानकारी दी ,जैसे सीट बेल्ट लगाना क्यों आवश्यक है यदि सीट बेल्ट नहीं लगाएंगे तो एयरबैग भी सुरक्षा नहीं प्रदान कर सकते` गोल्डन आवर में घायल व्यक्ति को कैसे जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया जाएँ एवं प्राथमिक उपचार से पहले घायल व्यक्ति को पानी ना पिलाएँ तथा ग्रीन कॉरिडोर की सहायता से कैसे जल्द से जल्द घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाया जाएँ इत्यादि अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डाला एवं अपने अनुभवों का साझा करते हुये बड़ी सरलता के साथ विद्यार्थियों से संवाद किया उन्होंने बताया कि 40 प्रतिशत दुर्घटनाओं का औसत अनुमान केवल नेशनल हाईवे पर लगाया गया है उन्होंने यातायात से संबंधित अनेक अधिनियमों की बारीक जानकारी दी और कहा कि विद्यार्थियों के लिए लर्निंग लाइसेंस लेकर तेजी से वाहन चलाना दुर्घटना का कारण बन सकता है इसलिए बिना लाइसेंस गाड़ी ना चलाएँ विद्यालय के परिचालकों को कम से कम 5 साल का अनुभव होना चाहिए` विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ नीलम सिंह ने बताया कि यातायात माह के लक्ष्य की प्रतिपूर्ति हेतु विद्यालय भी अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है जिसका उद्देश्य लोगों में जागरूकता फैलाना है निदेशिका डॉ वन्दना सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष हमारे विद्यार्थी इस कार्यक्रम के उद्देश्य की सार्थकता को न केवल आत्मसात करते है अपितु यातायात नियमों से संबंधित सर्तकता एवं जागरूकता फैलाने का कार्य भी करते हैं।

एनडीआरफ वाराणसी ने डूबने एवं नाव दुर्घटना के बचाव हेतु जिला प्रशासन के साथ किया संयुक्त मॉक अभ्यास

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश में डूबने एवं नाव दुर्घटना को राज्य आपदा घोषित किया गया है जिनकी रोकथाम एवं न्यूनीकरण के लिए एनडीआरफ वाराणसी लगातार ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ संयुक्त रूप से प्रवासरत रहती है` जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री बाल तरणवीर कार्यक्रम के अंतर्गत त्र्यंबकेश?वर हॉल श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में एक दिवसीय मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मनोज कुमार शर्मा उप महानिरिक्षक 11 एनडीआरफ वाराणसी के निर्देशन में टीम ने डूबने से बचाव को लेक्चर एवं डेमो दिया` इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेंद्र प्रसाद सदस्य एनडीएमए, संजीव कुमार जिंदल संयुक्त सचिव आपदा प्रबंधन गृह मंत्रालय, नवीन कुमार राहत आयुक्त, अदिति उमराव परियोजना निदेशक राहत आयुक्त कार्यालय एस राजलिंगम जिलाधिकारी, वन्दिता श्रीवास्तव अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वाराणसी मौजूद रहे इसके साथ ही राष्ट्रीय अंतर्देशीय जल परिवहन संस्थान, स्थानीय एजेंसियां एवं विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया` डॉक्टर पंकज गौरव (एसएमओ) 11 एनडीआरएफ द्वारा डूबने से बचाव और अस्पताल पूर्व दिए जाने वाले उपचार के बारे में लेक्चर दिया गया और टीम द्वारा उसका प्रदर्शन किया गया` तत्पश्चात ललिता घाट पर डूबने एवं नाव दुर्घटना से बचाव हेतु श्री राम भवन सिंह यादव उप कमांडेंट की अगुवाई में एनडीआरएफ की टीम द्वारा मॉक अभ्यास किया गया जिसमें नाव के पलटने के डूबते हुए लोगों को रेस्क्यू करके घाट किनारे लाया गया जहाँ मेडिकल बेस पर अस्पताल पूर्व उपचार दिया गया` सभी संबंधित हितधारकों, जल पुलिस, एसडीआरएफ, आपदा मित्र, सिविल डिफेन्स और होमगार्ड सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया इस पूरे मॉक अभ्यास का उद्देश्य स्थानीय जनमानस, मल्लाह, नाव चालकों, स्नानार्थियों, घाट से जुड़े प्रबंधन, संगठनों को जागरूक करना एवं सभी हितधारकों के बीच समन्वय बनाना था जिससे इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और यदि इस तरह की दुर्घटनाएं होती भी हैं तो त्वरित कार्यवाही करते हुए बहुमूल्य जीवन को बचाया जा सके` इस मॉक अभ्यास में सभी सम्बन्धित हितधारकों ने अपनी सहभागिता बढ़- चढ़कर सुनिश्चित की और आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु अपनी सार्थक भूमिका निभाई।

निराश्रित गोवंश संरक्षण आभियान अन्तर्गत डीएम ने की समीक्षा बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। निराश्रित गोवंश संरक्षण विशेष अभियान 01 नवम्बर से 31 दिसम्बर, 2023 तक अभियान के अन्तर्गत पशुपालन विभाग द्वारा संचालित निराश्रित 4000 गोवंशीय पशुओं को पकड़ कर गोआश्रय स्थल में रखने का अभियान की समीक्षा करते हुए जनपद स्तरीय अर्न्तविभागीय बैठक मगंलवार को सायं काल में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार गाजीपुर में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि सभी तहसीलों में कैटिल कैचर संचालित किए जाएं, प्रत्येक दिन अभियान संचालित करके 31 दिसंबर तक लक्ष्य को पूरा करें। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अभियान की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम का नंबर-9452287545 एवं 9415350304 पर सम्पर्क कर अवारा छुट्टा पशुओ की सूचना आम आदमी भी तत्काल दे सकते है। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र में वास्तविक छुट्टा गोवंशीय पशुओं की अभियान चयलाकर सरक्षित किया जाय। अभियान की समाप्ति पर इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि अब क्षेत्र में कोई भी गोवंशीय पशु नही है। इस अभियान में सभी पशु चिकित्साधिकारी भी सक्रिय सहयोग करते हुए पशुओं का संरक्षण के साथ-साथ उनके इलाज, टीकाकरण, टैगिंग का शतप्रतिशत कार्य पूरा करायें। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

ने बताया कि जनपद में लगभग 4000 निराश्रित गोवंश है, जिनको संरक्षित करने की कार्यवाही अभियान के दौरान की जा रही है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त पशुचिकित्साधिकारी एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

आपदाओं से बचाव के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत सरकार, राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु जनपद की सभी ग्राम पंचायतो, विद्यालयों, स्कूलो, डिग्री कालेजो में जन जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम जिलाधिकारी आर्यका अखौरी शुभारम्भ किया गया। यह प्रशिक्षण आदर्श बौद्ध इण्टर कालेज छावनीलाईन में आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 08 नवम्बर, 2023 से 24 नवम्बर, 2023 तक अवकाश तिथि छोड़कर संचालित रहेगा। कार्यक्रम के प्रथम दिन तहसील सदर, सैदपुर, जमानियॉ, जखनियॉ, सेवराई, एवं कासिमाबाद के लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षको द्वारा मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य

सरकार द्वारा घोषित आपदाओं को न्यून करने तथा आपदा घटित होने के उपरान्त त्वरित सहायता दिये जाने के बारे में सभी को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान जूट के बैग में किट तैयार कर वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी के कर कमलो द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने विद्यालय परिवार को सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम आयोजित टीम मे मुख्यतः अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अरूण कुमार सिंह एवं उनके नियंत्राणाधीन कार्मिकों का उत्साह वर्धन किया गया। अन्त में जिलाधिकारी द्वारा पूरी निष्ठा से आपदा राहत कार्य करने हेतु प्रेरणा देते हुए कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु ऊजार्वान एवं प्रेरणाश्रोत के रूप में वाणी को विराम दिया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक राय आपदा विशेषज्ञ ने किया।

एसपी ओमवीर सिंह ने चलाया तबादला एक्सप्रेस निरीक्षक, उप निरीक्षक समेत 46 का तबादला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने निरीक्षक, उप निरीक्षक समेत 46 पुलिस कर्मियों को इधर से उधर किया है जिसके अनुसार निरीक्षक विजय प्रताप सिंह को पुलिस लाईन से प्रभारी चुनाव सेल के पद पर तैनात किया गया है । उप निरीक्षक रणजीत सिंह चौकी प्रभारी हथियाराम बने रहेंगे । उप निरीक्षक रुद्रप्रताप सिंह हथियाराम पीठ से चौकी प्रभारी मंजनपुर कला , उप निरीक्षक ज्ञानेश्वर सिंह थाना सुहवल से थाना सैदपुर , उप निरीक्षक रामाश्रय कुशवाहा सैदपुर से थाना सुहवल , उप निरीक्षक धनंजय मिश्रा मुहम्मदाबाद से सैदपुर , उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार रत्ना रामपुर माझा से करीमुद्दीनपुर , उप निरीक्षक धर्मदेव चौहान नंदगंज से दिलदारनगर , उप निरीक्षक गुलाबधर पांडेय सैदपुर से सुहवल , उप निरीक्षक आफताब सादात से करंडा , उप निरीक्षक महेश प्रताप

सिंह जंगीपुर से मुहम्मदाबाद , उप निरीक्षक रामजी तिवारी जंगीपुर से मुहम्मदाबाद , उप निरीक्षक रामदास तिवारी सादात से दुल्लहपुर , उप निरीक्षक कृष्ण मोहन दुबे बहरियाबाद से गहमर , उप निरीक्षक मनोज कुमार सिंह नंदगंज से सादात , उप निरीक्षक रामानंद सिंह पुलिस लाईन से बहरियाबाद , उप निरीक्षक देवीशंकर यादव पुलिस लाईन से भांवरकोल , उप निरीक्षक चिंतामणि पुलिस लाईन से मरदह , उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह पुलिस लाईन से मुहम्मदाबाद , उप निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा पुलिस लाईन से करंडा , उप निरीक्षक जगदीश प्रताप सिंह पुलिस लाईन से थाना करंडा , उप निरीक्षक राकेश कुमार मिश्रा पुलिस लाईन से कासिमाबाद , उप निरीक्षक गामा लाल पुलिस लाईन से दुल्लहपुर , उप निरीक्षक बालेंद्र कुमार पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी रेलवे स्टेशन जमानियां , उप निरीक्षक जगपति मिश्रा पुलिस लाईन से दुल्लहपुर , उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव थाना दुल्लहपुर से चौकी प्रभारी भीमापार , उप निरीक्षक श्याम सिंह पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी पचरासी थाना नंदगंज , उप निरीक्षक भुपेंद्र कुमार निषाद चौकी प्रभारी रजागंज से चौकी प्रभारी गोराबाजार , उप निरीक्षक विवेक कुमार पाठक चौकी प्रभारी हुरमुजपुर से चौकी प्रभारी रजागंज , उप निरीक्षक रोहित कुमार द्विवेदी थाना बरेसर से चौकी प्रभारी हुरमुजपुर , उप निरीक्षक वासुदेव प्रसाद पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी मौधा , उप निरीक्षक शिवाकांत मिश्रा चौकी प्रभारी मौधा से प्रभारी सर्विलांस सेल , उप निरीक्षक बृजेश नाथ शुक्ल पुलिस लाइन से थाना कोतवाली , उप निरीक्षक संतोष कुमार पुलिस लाइन से थाना बरेसर , उप निरीक्षक अजय प्रकाश पांडेय पुलिस लाइन से थाना मुहम्मदाबाद , उप निरीक्षक अविनाश मणि तिवारी पुलिस लाइन से बहरियाबाद , हेड कांस्टेबल हरिकिशुन प्रजापति चौकी भितरी से थाना बरेसर , सिपाही ओमप्रकाश दुबे कार्यालय सीओ सैदपुर से कस्बा चौकी , महिला सिपाही प्रेमलता न्यायालय सुरक्षा से अभियोजना कार्यालय , सिपाही सुनीता थाना बहरियाबाद से अभियोजन कार्यालय , सिपाही सुभाष यादव जमानियां से बरेसर , सिपाही अजय कुमार गुप्ता शादियाबाद से नोनहरा , सिपाही संदीप कुमार तिवारी पुलिस लाइन से सादात भेजा गया है ।

कायस्थ महासभा ने किया स्व0 मुरलीधर श्रीवास्तव की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के संरक्षक रहे स्व.मुरली धर श्रीवास्तव की श्रद्धांजलि सभा उनके पैतृक आवास मरदह ब्लाक के विजवनपुर गांव में आयोजित हुई। इस श्रद्धांजलि सभा में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें कायस्थ महासभा का एक मजबूत सिपाही बताते हुए कहा कि वह आजीवन

पर्यन्त कायस्थ समाज के उत्थान एवं विकास के लिए काम करते रहे। उन्होंने कहा कि हम सबको उनसे प्रेरणा लेकर समाज की प्रगति की चिंता करते हुए काम करने की जरूरत है। कायस्थ समाज उन्हें सदैव याद करेगा। उन्होंने कहा आज जरूरत है अपने बुजुर्गों, पुर्वजों एवं महापुरुषों के इतिहास को जिंदा रखने की। उन्होंने कहा कि जो समाज अपने पुर्वजों की चिंता नहीं करता उसका वजूद और इतिहास समाप्त हो जाता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सिविल बार के पुर्व अध्यक्ष सत्येन्द्र श्रीवास्तव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, विनोद कुमार श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, कौशल श्रीवास्तव, राजू श्रीवास्तव, दिग्विजय लाल, बंटी लाल, विशाल श्रीवास्तव, अजीत श्रीवास्तव, विक्की श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। श्रद्धांजलि सभा के अन्त में उनके पुत्र मनीष श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार जताया।

इंटीग्रल विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह संपन्न

प्रखर डेस्क। इंटीग्रल विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया ककार्यक्रम में मुख्य अतिथि सतीश महाना, अध्यक्ष विधान सभा, विशिष्ट अतिथि श्री सतीश महाना, माननीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश विधान सभा, विशिष्ट अतिथि श्री ब्रिजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री सुरेश कुमार खन्ना, माननीय कैबिनेट मंत्री, वित्त एवं संसदीय कार्य, उत्तर प्रदेश सरकार और पद्मश्री प्रोफेसर महेश शर्मा, अध्यक्ष (एनएबीएच), नई दिल्ली और कुलपति गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने कार्यक्रम में अपनी प्रतिष्ठित उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का आरम्भ कुलपति प्रोफेसर जावेद मुस्सर्रत ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए तथा विश्विद्यालय की उप्लब्धियों को इंगित करते हुए किया और उनकी प्रशंसा की जिन्होंने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किये। मुख्य अतिथि सतीश महाना, अध्यक्ष विधान सभा उत्तर प्रदेश ने इंटीग्रल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है । उन्होंने विद्यार्थियों को मृदु भाषी होने की सलाह देते हुए समय की महत्ता को भी समझाया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. सैय्यद वसीम अख्तर ने कहा कि इंटीग्रल विश्वविद्यालय ने NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद) से अ+ रेटिंग प्राप्त की है, इसका श्रेय विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को जाता है।

विशिष्ठ अतिथि बृजेश पाठक, उप मुख्य मंत्री ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर शिक्षा में नंबर एक राज्य बनने की की ओर अग्रसर है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए विशिष्ठ अतिथि सुरेश खन्ना, वित्त मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने इंटीग्रल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा कि यहाँ के छात्रों और शिक्षकों में पर्याप्त प्रतिभा है और प्रतिबद्धता और नेतृत्व के साथ वे सभी अपना योगदान दे रहे हैं। विशिष्ट अतिथि पद्म श्री प्रोफेसर महेश शर्मा, चेयरपर्सन (NABH), नई दिल्ली एवं कुलपति गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी,नई दिल्ली ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की सशक्त भावना की प्रशंसा की, छात्रों और शिक्षकों को उनकी प्रतिबद्धता और योगदान के लिए बधाई दी और उन्हें समाज का जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। दीक्षांत समारोह में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं पद्म श्री डॉक्टर सभ्य साची सरकार को डी लिट् की मानद उपाधि भी प्रदान की गई। गणमान्य व्यक्तियों ने विश्वविद्यालय के प्रति विनम्र आभार व्यक्त किया और अनुसंधान, नवाचार और शिक्षाशास्त्र के प्रति इसके समर्पण की सराहना की। समारोह को प्रति-कुलाधिपति प्रो. सैय्यद नदीम अख्तर ने सम्बोधित करते हुए आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को अपनी मातृ संस्था का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

ज्ञात हो की 2023 में विश्वविद्यालय से उल्लेखनीय 2207 स्नातक, 931 स्नातकोत्तर, 46 डॉक्टरेट, 96 स्वर्ण पदक विजेता और 97 रजत पदक विजेता स्नातक हुए। समारोह में यूनिवर्सिटी के न्यूजलेटर 2023 के विमोचन के साथ इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का स्थापना दिवस भी मनाया गया। अंत में कुलसचिव प्रो. हरिस सिद्दीकी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम के बाद शाम को अखिल भारतीय मुशायरा का आयोजन हुआ। वसीम बरेलवी, मंजर भोपाली, डॉ. हरिओम, नवाज देवबंदी, अजहर इकबाल, फौजिया रबाब, नगमा नूर, फरहत एहसास, हामिद भुसालवी, कविश रुडोलवी, कमर सुरूर, अबरार काशिफ, फाखिर अदीब, सज्जाद झंझट, जहाज देवबंदी, वकार फराजी जैसे प्रसिद्ध शोरा ने अपने कलाम पेश किये और अपनी शायरी से दर्शकों को लुभाया। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, शैक्षिक उत्कृष्टता का केंद्र, भारत के उत्तर प्रदेश राज्य की राजधानी लखनऊ में एक प्रमुख विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना राज्य सरकार द्वारा 2004 के अधिनियम संख्या 9 के तहत की गई थी। विश्वविद्यालय को यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2 (एफ) और 12 बी, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया, इंडियन नर्सिंग काउंसिल, काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट, नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन, यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी को NAAC द्वारा अ+ द्वारा मान्यता प्राप्त है और भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा एक वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (SIRO) के रूप में मान्यता प्राप्त है।

भव्य राम मंदिर रात का नजारा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण तेजी से हो रहा है। दिन रात काम चल रहा है। 22 जनवरी 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी इस मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। इसी बीच श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने निर्माणाधीन राम मंदिर की रात के समय की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि निर्माणाधीन मंदिर रात के समय कितना सुंदर लग रहा है । इस साल के अंत तक मंदिर का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 24 जनवरी 2024 से मंदिर को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने शेयर की तस्वीर

नए साल में विराजमान होंगे भगवान

24 जनवरी से मंदिर को खोल दिया जाएगा आम लोगों के लिए

खबर संक्षेप

अब स्क्रीन पर दिखाई देंगी सम्मानित सुधा मूर्ति

मुंबई। सुधा मूर्ति भारत की ऐसी राइटर हैं जिनका नाम विदेशों में भी

नाम है। सुधा की कई किताबें दुनिया में बेस्ट सेलर रहीं हैं। सुधा के दामाद ऋषि सुनक ब्रिटेन के पीएम भी हैं। इन्फोसिस जैसी देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी को खड़ा करने वाले नारायण मूर्ति की पत्नी हैं। सुधा मूर्ति को भारत सरकार ने साल 2006 में पद्मश्री और 2023 में पद्मभूषण के सम्मान से नवाजा था। अब वे स्क्रीम पर दिखाई देंगी।

हरियाणा सरकार ने गन्ना फसल की कीमतें बढ़ाई

नई दिल्ली। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर ने गन्ना किसानों के लिए बड़ी घोषणा की है।

हरियाणा में गन्ने की अगेती फसल का रेट बढ़ाया गया है। सरकार ने 14 रुपया बढ़ाकर रेट 372 से 386 रुपए कर दिया है। अगले साल के गन्ने की फ़सल के रेट की भी घोषणा की गई। अगले साल 400 रुपया किया गया है। हमारे किसानों के लिए बहुत खुशी की बात है कि ये देश में गन्ने की सबसे ऊंची दर होगी।

जेट के संस्थापक गोयल की याचिका खारिज

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने जेट

एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने बैंक ऋण चूक से जुड़े धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी को 'अवैध' बताते हुए चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की खंडपीठ ने कहा कि याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता और इसलिए इसे खारिज किया जाता है। इसके

विधि कुमार बिरदी कश्मीर के नए आईजीपी नियुक्त

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर गृह विभाग ने विधि कुमार बिरदी को कश्मीर का

नया पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया है। बिरदी उत्तरी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके का रहने वाला हैं और केमिकल में बीई हैं। विधि कुमार अगले आदेश तक आईजीपी सशस्त्र कश्मीर के पद का प्रभार भी संभालेंगे।

फ्रांस में एयरपोर्ट पर लोगों ने पढ़ी नमाज

पेरिस। इजराइल-हमास के संघर्ष की वजह से फ्रांस में तनाव बढ़ रहा है। पेरिस के चार्स दी गॉल एयरपोर्ट

के प्रस्थान हॉल में जॉर्डन की उड़ान से पहले कुछ लोगों ने साथ में बैठकर नमाज पढ़ी। यह प्रार्थना फ्रांस के सबसे बड़े एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 में की गई, जहां करीब 30 लोगों ने हिस्सा लिया। वैसे तो एयरपोर्ट पर प्रार्थना के लिए एक विशेष स्थान का प्रबंध रहता है।

राजधानी दिल्ली के जानलेवा प्रदूषण पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

'अब बर्दाश्त से बाहर हो गया है, अगर हमने बुलडोजर चलाना शुरू किया तो रुकेंगे नहीं'

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के कारण जहरीली हो चुकी हवा से जीना मुहाल हो रहा है। हर साल की तरह, इस वर्ष भी सुप्रीम कोर्ट सीन में आ गया है। वहां इस मामले पर सुनवाई चल रही है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट कड़े तेवर दिखा रहा है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सरकारें क्या करेंगी, कैसे करेंगी, इससे हमें मतलब नहीं, बस पराली जलाना रुकना चाहिए।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उधर, सरकार का पक्ष रख रहे सीनियर वकील गोपाल एस ने बताया कि इस वर्ष पराली जलाने की घटना में 40% की कमी आई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे काम नहीं चलेगा, पराली जलाना पूरी तरह बंद करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के ऐसे हालात कायम नहीं रह सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब बर्दाश्त से बाहर हो रहा है, अगर हमने बुल्डोजर चलाना शुरू कर दिया तो रुकेंगे नहीं।

खास बातें

- दिल्ली सहित अन्य राज्यों को लगाई फटकार, कहा, हर हाल में रुके पराली जलाना
- केजरीवाल सरकार की ऑड-ईवन स्कीम को कहा महज दिखावा

यूं ही नहीं घुटती रह सकती है दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में प्रदूषण के मामले पर सुनवाई शुरू हुई तो सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह ने आईआईटी, कानपुर की एक स्टडी का हवाला देकर बताया कि प्रदूषण के मुख्य स्रोत क्या-क्या हैं। उन्होंने कहा कि पराली जलाने की प्रथा पूरी तरह रुकनी चाहिए। आज राज्यों के पास कोई बहाना नहीं बचा है।

हर हाल में रुके प्रदूषण

सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि समस्या पराली जलाने से नहीं है। कई देशों में पराली जलाई जाती है। उधर, पंजाब के एजी ने कहा कि 50-20 दिन तक ही समस्याएं होती हैं। तब जस्टिस कौल ने कहा कि यह टाइमिंग की अजीब समस्या है, लेकिन मुझे लगता है कि इसे लेकर कोई गंभीरता नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम बिल्कुल परवाह नहीं कि आप कैसे करते हैं, बस यह रुकना चाहिए।

केजरीवाल सरकार की खिंचाई

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार को भी जिम्मेदार होना पड़ेगा। दिल्ली में ऐसी तमाम बसें धड़ल्ले से दौड़ रही हैं, जो मनमानी प्रदूषण फैलाती हैं. इस समस्या पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय ने प्रदूषण से निपटने के लिए आम आदमी पार्टी सरकार की ऑड ईवन स्कीम को महज दिखावा करार दिया। अदालत ने कहा कि गाड़ियों के लिए ऑड-ईवन जैसी स्कीम बस दिखावा भर हैं. इसका कोई खास लाभ नहीं है।

दिल्ली सरकार की सफाई

उधर, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का बयान भी आया है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अध्ययन करने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में गोपाल राय ने कहा कि अब हमने तय किया है कि हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अध्ययन करेंगे सुप्रीम कोर्ट के जो भी सुझाव और आदेश आएंगे, हम उन्हें शामिल करेंगे और उसी के अनुरूप पॉलिसी बनाएंगे।

9 नवंबर को बिल लाएगी नीतीश सरकार

बिहार में 75% आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव कैबिनेट से पास

एजेंसी ▶▶| पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में आरक्षण का दायरा बढ़ाने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। इसके अनुसार सूबे में आरक्षण का दायरा 60 से बढ़ाकर 75 फीसदी करने पर सहमति प्रदान की गई। बिहार आरक्षण बिल 2023 को कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब इसे विधानमंडल के दोनों सदनों से 9 नवंबर को पारित कराए जाने का प्रस्ताव है। इस बीच बीजेपी ने भी आरक्षण का दायरा बढ़ाए जाने के नीतीश कुमार के प्रस्ताव का समर्थन किया है।बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार आरक्षण के दायरे के बढ़ाने के जिस प्रस्ताव को लेकर सदन में आई है, भाजपा उसका समर्थन करेगी।

नीतीश ने क्या कहा?

इससे पहले सीएम नीतीश ने आज सदन में चर्चा के दौरान कहा कि बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़ाने का विधेयक इसी सत्र में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानमंडल के दोनों सदनों में इसकी घोषणा की। सदन में चर्चा के दौरान नीतीश कुमार ने आरक्षण की सीमा 15 फीसदी बढ़ाकर 60 से 75 फीसदी करने का प्रस्ताव दिया। इसके तहत एससी का आरक्षण बढ़ाकर 20 फीसदी और एसटी का आरक्षण दो फीसदी जबकि पिछड़ा-अति पिछड़ा का आरक्षण बढ़ाकर 43 फीसदी करने की योजना है। इसी में पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को दिया जाने वाला तीन फीसदी आरक्षण भी समायोजित होगा।

किसे कितना आरक्षण?

नीतीश कैबिनेट से पास बिल के अनुसार पिछड़ा वर्ग को 18 फीसदी, अति पिछड़ा वर्ग को 25 फीसदी, एससी को 20 फीसदी, एसटी को 2 फीसदी का आरक्षण मिलेगा। विधानसभा में 9 नवंबर को विधेयकों के लिए दिन निर्धारित है। इस विधेयक को भी अन्य विधेयकों के साथ इसी दिन पारित कराया जाएगा। इसके अलावे कैबिनेट ने सतत जीवकोपार्जन योजना राशि में इजाफा पर मंजूरी दी है। इसके तहत सहयात राशि एक लाख से बढ़ाकर दो लाख करने की योजना है। राज्य मंत्रिमंडल की मुहर गरीब परिवारों को स्वरोजगार के लिए दो-दो लाख रुपए देने और 63,850 आवासहीन परिवारों को जमीन के लिए एक-एक लाख रुपए देने पर भी लगी।

डॉक्टर हैरान परिजनों से की बात

कई दिनों से छात्रा के शरीर पर उभर रहे राम-राधे नाम के शब्द

एजेंसी ▶▶| हरदोई

माधौगंज कोतवाली क्षेत्र में कक्षा एक की छात्रा के शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर राम-राधे नाम के शब्द उभर आए।

स्कूल में जब ऐसा हुआ तो इसकी जानकारी परिजनों को देकर बुलाया गया। यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है और चिकित्सक भी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। हालांकि 15 मिनट बाद त्वचा सामान्य हो गई। साक्षी को किसी तरह का दर्द अथवा खुजली या अन्य कोई परेशानी भी नहीं है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. संजय का कहना है कि त्वचा संबंधी बीमारी हो सकती है, लेकिन बिना विस्तृत जांच के कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

कक्षा एक की छात्रा

सहिजना निवासी देवेंद्र राठौर की पुत्री साक्षी (8) माधौगंज कस्बे के एक प्राइवेट विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा है। उसके शरीर पर राधे-राधे, राम-राम, गुरुदेव सहित उसका व परिवार के लोगों के नाम और अंक उभर रहे हैं। देवेंद्र के मुताबिक, पिछले 20 दिनों से साक्षी अपने शरीर पर लाइनें बनाती थी, जो खरोंच जैसी लगती थीं।

चिकित्सक कुछ नहीं बता पाए

परिवार का दावा है कि उन्होंने साक्षी को हरदोई के कई चिकित्सकों और प्राइवेट नर्सिंग होम में भी दिखाया, लेकिन चिकित्सक कुछ नहीं बता पाए। सोमवार को स्कूल में साक्षी के शरीर पर राम, राधे व उसका नाम और अन्य अक्षर दिखे थे।

मिजोरम में 78 प्रतिशत मतदान 3 को आएंगे नतीजे

आइजोल। मिजोरम में मंगलवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। कहीं से भी किसी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। इसके साथ ही राज्य के 174 उम्मीदवारों का भाग्य ईबीएम मशीनों में बंद हो गया है। नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए 1276 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहां पर 8.57 लाख मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया। इस बार कई जगह त्रिकोणीय तो कई जगह चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिला। जबकि ऑइजोल में कई जगह एमएनएफ और जेडपीएम में सीधी टक्कर देखने को मिली। मंगलवार को मिजोरम में पूरे राज्य में 78 प्रतिशत मतदान हुआ। अभी यह मतदान प्रतिशत और बढ़ने की उम्मीद है। सुबह सात बजे से पहले ही लोग मतदान केंद्रों पर पहुंचने लगे थे।

ओडिशा तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया परीक्षण

'प्रलय' का परीक्षण सफल 500 किमी है मारक क्षमता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने मंगलवार को सफलतापूर्वक सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल प्रलय का परीक्षण किया। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह परीक्षण ओडिशा तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। बता दें कि प्रलय मिसाइल डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई है। अधिकारियों ने बताया यह परीक्षण सुबह 9.50 बजे किया गया और इसने अपने सभी उद्देश्यों को पूरा किया। ट्रैकिंग उपकरणों से मिसाइल की ट्रैजेक्टरी का विश्लेषण किया गया। बता दें कि प्रलय मिसाइल की रेंज 350-500 किलोमीटर है और यह 500-1000 किलो पेलोड ले जाने में सक्षम है।

प्रलय मिसाइल एलएसी और एलओसी पर तैनाती के लिए विकसित की गई है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि चीन डोंग फेंग 12 और रूस की इस्केंडर मिसाइलों की तुलना भारत की प्रलय मिसाइल से हो सकती है। यूक्रेन युद्ध में रूस ने इस्केंडर मिसाइल का खूब इस्तेमाल किया है। बता दें कि पाकिस्तान के पास भी इस रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है।

ब्रह्मोज का भी टेस्ट कामयाब

गौरतलब है कि एक महीने पहले ही भारतीय वायुसेना ने लंबी दूरी की हवा से लॉन्च की जाने वाली ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। वायुसेना ने बंगाल की खाड़ी में यह परीक्षण किया गया, जिसमें फाइटर जेट सुखोई-30एमकेआई से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल लॉन्च की गई। यह मिसाइल 1500 किलोमीटर की दूरी तक अपने लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। ब्रह्मोस मिसाइल भारत के सबसे घातक हथियारों में से एक है।

रश्मिका मंदाना विवाद

सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को एडवाइजरी जारी

सरकार ने चेताया, डीपफेक वीडियो पर 3 साल जेल, 1 लाख जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

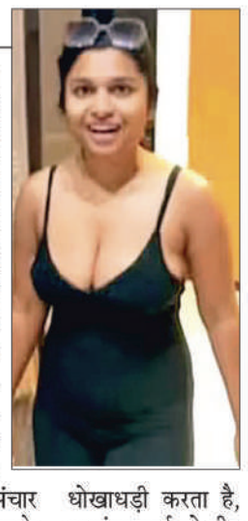

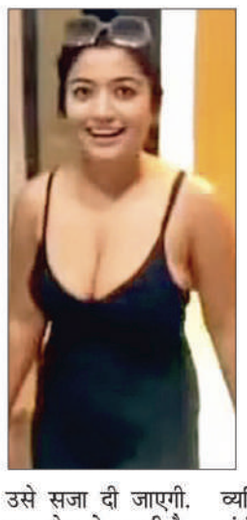

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की बनाई गई फर्जी वीडियो के मामले के तूल पकड़ने के बाद अब इसे लेकर केंद्र सरकार भी हरकत में आ गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की तरफ से सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को एडवाइजरी जारी की गई है जिसमें ऐसे डीपफेक को कवर करने वाले कानूनी प्रावधानों और उनके निर्माण और प्रसार पर लगने वाले दंड के बारे में विस्तार में बताया गया है। सरकार ने आईटी एक्ट, 2000 की धारा 66 डी का हवाला दिया है, जो 'कंप्यूटर संसाधन का उपयोग करके धोखाधड़ी के लिए सजा' से संबंधित है। यह धारा कहती है, "जो कोई भी किसी संचार उपकरण या कंप्यूटर संसाधन का उपयोग करके धोखाधड़ी करता है, उसे सजा दी जाएगी. उल्लंघनकर्ता को तीन साल जेल हो सकती है। साथ ही उस पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

सरकार की तरफ से नियमों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कहा गया कि उनकी भूमिका मध्यस्थ प्लेटफॉर्म की है। उन्हें नियमों और विनियमों, गोपनीयता नीति या मध्यस्थ के उपयोगकर्ता समझौते को सुनिश्चित करने सहित उचित परिश्रम का पालन करना होगा ताकि उपयोगकर्ताओं को किसी अन्य व्यक्ति का प्रतिरूपण करने वाली किसी भी सामग्री को होस्ट न करने की जानकारी दी जा सके. आईटी एक्ट का नियम 3(2)(बी) मध्यस्थ कहता है कि किसी भी सामग्री के संबंध में शिकायत प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर सोशल मीडियो प्लेटफॉर्म इसे हटाने के संबंध में कदम उठाएगा। किसी व्यक्ति कृत्रिम रूप से रूपांतरित छवियों बनाने के संबंध में तुरंत एक्शन लिया जाना चाहिए।

मंदाना ने कहा था 'बहुत डरावना'

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने खुद के काट-छांट करके बनाए गए वीडियो (डीपफेक वीडियो) के वायरल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि यह 'बहुत डरावना' है कि तकनीकी का दुरुपयोग किया जा रहा है। फिल्म 'गुडबाय' में मंदाना के सह कलाकार अमिताभ बच्चन ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की है। 'डीपफेक' एक डिजिटल विधि है जिसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके उपयोगकर्ता किसी व्यक्ति की छवि को किसी दूसरे व्यक्ति की छवि से आसानी से बदल सकता है।

युद्ध थोड़े समय के लिए रुकेगा, संघर्ष विराम नहीं

गाजा युद्ध पर नेतन्याहू ने कहा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

गाजा में जारी युद्ध को 'मानवीय आधार पर थोड़े समय के लिए रोके जाने' को लेकर अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सरकार हमास पर जारी अपने हमलों को केवल 'थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोक' सकती है।

गाजा पर जारी इजराइल के हमलों में आम नागरिकों की मौत के लगातार बढ़ते मामलों के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का शिकार हो रहे इजराइली नेता की यह घोषणा वैश्विक स्तर पर अपने सबसे मुखर समर्थक अमेरिका को संतुष्ट करने की कोशिश प्रतीत होती है।

उत्तरी गाजा शेष हिस्से से अलग

गाजा। इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा को क्षेत्र के बाकी हिस्से से अलग-थलग कर दिया और सोमवार को ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। गाजा के सबसे बड़े शहर में हमास चरमपंथियों के साथ इजराइली सेना अपेक्षित जमीनी युद्ध की तैयारी में जुटी है, जो महीने भर से जारी युद्ध का सबसे भयावह चरण हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

जायडस लाइफसाइंसेज को 801 करोड़ का शुद्ध मुनाफा

नई दिल्ली। जायडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 53.2 प्रतिशत बढकर 800.7 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 522.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका परिचालन राजस्व 4,368.8 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,005.5 करोड़ रुपये था। जायडस लाइफसाइंसेज के प्रबंध निदेशक शर्विल पटेल ने कहा, 'वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही का परिणाम हमारे प्रमुख व्यवसायों में स्थिर वृद्धि के साथ ही मजबूत मुनाफे को दर्शाता है।'

ग्राहकों के लिए रिलायंस एसबीआई कार्ड लॉन्च

मुंबई। एसबीआई कार्ड ने भारत के सबसे बड़े रिटेलर, रिलायंस रिटेल के साथ मिलकर को-ब्रांडेड 'रिलायंस एसबीआई कार्ड' लॉन्च किया है। जो सामान्य से लेकर प्रीमियम तक, अलग-अलग तरह के खर्च की जरूरत वाले सभी श्रेणी के ग्राहकों को कुल मिलाकर खरीदारी का फायदेमंद अनुभव प्रदान करता है। एसबीआई कार्ड के एमडी एवं सीईओ अभिजीत चक्रवर्ती ने कहा, रिलायंस रिटेल के साथ साझेदारी करना हमारे लिए खुशी की बात है। दोनों ही संगठन ग्राहकों को सबसे ज्यादा अहमियत देते है और ग्राहकों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने के इरादे पर अटल है।

बिरला सीमेंट ने एक्सीलेंस के लिए 4वी माडल अपनाया

नई दिल्ली। 'बुनियाद रिश्तों की 2023', एमपी बिरला सीमेंट की वार्षिक डीलर कॉन्फ्रेंस राजधानी के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुई। कॉन्फ्रेंस में मध्य प्रदेश के 850 से अधिक डीलरों ने भाग लिया। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ संदीप घोष ने कहा कि कंपनी को प्रदर्शन व नैतिकता के लिए वर्ग में सर्वश्रेष्ठ बनना होगा। उन्होंने कहा कि विज़न, वैल्यू, वेलोसिटी और विजिबिलिटी में एक्सीलेंस के 4वी मॉडल शामिल है, जिन्हें कंपनी ने सभी कार्यो में दक्षता में सुधार के लिए अपनाया है।

सुनील रैना लावा इंटरनेशनल के अंतरिम प्रबंध निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। घरेलू मोबाइल उपकरण विनिर्माता लावा इंटरनेशनल ने अपने अध्यक्ष सुनील रैना को तत्काल प्रभाव से पूर्णकालिक निदेशक और अंतरिम प्रबंध निदेशक के पद पर पदोन्नत कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह लावा के प्रबंध निदेशक हरिओम राय के स्थान पर कंपनी का कारोबार संभालेंगे। राय चीन की मोबाइल उपकरण कंपनी वीवो के खिलाफ दायर धन शोधन मामले में कथित संलिप्तता के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं। लावा ने बयान में कहा, ''छह नवंबर, 2023 को कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में मंजूरी के बाद रैना तत्काल प्रभाव से अंतरिम प्रबंध निदेशक की भूमिका निभाएंगे।'

मुक्का प्रोटीन्स के आईपीओ को सेबी की हरी झंडी

नई दिल्ली। मुक्का प्रोटीन्स को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, मछली का भोजन, मछली का तेल और मछली का घुलनशील पेस्ट बनाने वाली कंपनी आईपीओ के तहत आठ करोड़ तक नए शेयर जारी करेगी। कंपनी ने इस साल जून में आईपीओ के लिए नए सिरे से दस्तावेज जमा कराए थे। आईपीओ का आकार 175 करोड़ रुपये से 200 करोड़ रुपये के बीच होगा।

फोनपे का डिजिटल गोल्ड पर ऑफर

नई दिल्ली। फोननपे ने धनतेरस और दिवाली के अवसर पर 24 कैरेट सोने पर कैशबैक ऑफर की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां कहा कि उसके प्लेटफॉर्म से कम से कम 1000 रुपये का डिजिटल सोना खरीदने वाले ग्राहक को 3000 रुपये तक की कैशबैक का लाभ उठा सकते है। यह ऑफर 9 से 12 नवंबर 2023 तक सभी एक बार लेनदेन के लिए मान्य है।भारत में 19,000 से अधिक पिन कोड के 1 करोड़ से अधिक ग्राहकों ने फोनपे प्लेटफॉर्म पर 24 कैरेट सोना खरीदा है। ग्राहक शून्य मेकिंग शुल्क के साथ डिजिटल रूप से प्रमाणित 24 कैरेट सोना खरीद सकते हैं। *(एजेंसियां)*

इस्पात पर अनुचित कर का विरोध करेगा भारत

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने ईयू के द्वारा कार्बन कर लगाने पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा इस्पात जैसे कुछ क्षेत्रों से आयात पर कार्बन कर लगाने के फैसले पर गंभीर चिंता जताते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घरेलू उद्योग को भरोसा दिलाया है कि भारत इस तरह के अनुचित कर को स्वीकार नहीं करेगा और उत्पादकों और निर्यातकों के संरक्षण के लिए कदम उठाएगा।

गोयल ने मंगलवार को यहां इस्पात उद्योग के एक कार्यक्रम में कहा कि भारत पहले ही यूरोपीय संघ और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में कार्बन कर पर अपनी चिंता जता चुका है। कॉर्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) या कार्बन कर (एक तरह का आयात शुल्क) एक जनवरी, 2026 से लागू होगा। लेकिन सात कॉर्बन गहन क्षेत्रों मसलन इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, एल्युमीनियम और हाइड्रोकॉर्बन उत्पाद से जुड़ी घरेलू कंपनियों को इस साल एक अक्टूबर से ही कॉर्बन उत्सर्जन के आंकड़ों को यूरोपीय संघ के साथ साझा करना है।

गोयल ने कहा, 'मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हम सीबीएएम को लेकर अत्यंत चिंतित हैं। हम डब्ल्यूटीओ के साथ इसे काफी गंभीरता से उठा रहे हैं। हम भारतीय उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए इसे उचित बनाने के लिए संघर्ष करेंगे। सीबीएएम को लेकर कोई कोताही नहीं होगी।'' मंत्री ने कहा कि दुनिया को इस कर पर विचार करना होगा और भारत इस 'बहुत गंभीर' चिंता को दूर करने के लिए अन्य देशों को साथ लेगा।

श्री गोयल ने कहा कि भारत में इस्पात उद्योग वर्तमान में लगभग 20 लाख लोगों को रोजगार देता है, जो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देता है। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस्पात उद्योग आत्मनिर्भरता में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकता है क्योंकि भारत इस क्षेा की बढ़ती मांगों को पूरा करने का प्रयास कर रहा है।

श्री गोयल ने उद्योग से बौद्धिक संपदा और मूल्यवर्धन के महत्व को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास में इस्पात क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी इस्पात उत्पादन क्षमता ढाई गुना कर सालाना 30 करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। श्री गोयल के पास उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंालय का भी दायित्व है। उन्होंने कहा, ''हम हमेशा नवोन्मेषी समाधान ढूंढेंगे लेकिन मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि देश भारतीय इस्पात या एल्युमीनियम उद्योग या किसी अन्य उद्योग पर लगाए जा रहे अनुचित कर या शुल्क को स्वीकार नहीं करेगा।' उन्होंने कहा कि इसको लेकर घबराने की जरूरत नहीं है, हम ऐसा समाधान तलाशेंगे जो आगे चलकर हमारे फायदे का होगा। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ को इस मुद्दे पर हमें 'साझा लेकिन अलग जिम्मेदारी' देनी होगी क्योंकि भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है।

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पहली जनवरी, 2026 से यूरोपीय संघ में चुनिंदा आयात पर सीबीएएम 20 से 35 प्रतिशत कर में तब्दील हो जाएगा।

वीवर्क ने दिवाला संरक्षण के लिए किया आवेदन

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क (भाषा)। कभी वॉल स्ट्रीट की बड़ी कंपनियों में शुमार रही वैश्विक कोवर्किंग कंपनी वीवर्क ने अमेरिका में दिवाला संरक्षण के लिए आवेदन किया है। कोवर्किंग से आशय एक ही स्थान पर कई कंपनियों के लिए कार्यालय से है। वीवर्क दुनिया की प्रमुख कोवर्किंग कंपनियों में आती है। कभी इस कंपनी का बाजार मूल्यांकन 50 अरब डॉलर के पास पहुंचने वाला था।

वीवर्क ने दिवाला संरक्षण के चैप्टर 11 के तहत यह आवेदन किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने कर्ज को कम करने तथा बही-खाते को दुरुस्त करने के लिए व्यापक पुनर्गठन प्रक्रिया शुरू की है। न्यूयॉर्क एक्सचेंज में सूचीबद्ध वीवर्क ने कहा है कि अमेरिका और कनाडा के बाहर स्थित उसके केंद्र इस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होंगे। सॉफ्टबैंक समर्थित वीवर्क इंक का बाजार मूल्यांकन कभी 47 अरब डॉलर था। चालू साल की पहली छमाही में कंपनी को 69.6 करोड़ डॉलर का शुद्ध घाटा हुआ है।

वीवर्क के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डेविड टोली ने बयान में कहा, ''अब समय आ गया है कि हम भविष्य की तैयारी करें और आक्रामक तरीके से पुराने पट्टों या लीज के मुद्दों को सुलझाएं और अपने बही-खाते को दुरुस्त करें।'' वीवर्क पर दिवाला होने का खतरा काफी समय से मंडरा रहा था। अगस्त में न्यूयॉर्क की कंपनी ने कारोबार में बने रहने की अपने क्षमता को लेकर आशंका जताई थी। वीवर्क इंडिया का स्वामित्व बेंगलुरु की रियल एस्टेट कंपनी एम्बैसी ग्रुप के पास है। उसने कहा है कि वैश्विक स्तर पर घटनाक्रम का भारतीय कारोबार पर असर नहीं पड़ेगा।

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी तेजी थमी

नई दिल्ली (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में मामूली 16 अंक की गिरावट रही। एशिया और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 16.29 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64,942.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 320.59 अंक तक नीचे चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 5.05 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 19,406.70 अंक पर बंद हुआ।

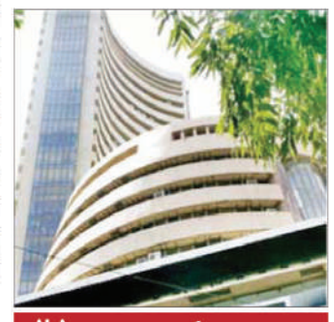

सेंसेक्स 16 अंक लुढ़का

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, जेएसडबल्यू स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और भारती एयरटेल प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में सन फार्मा, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक शामिल हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार को उच्चस्तर पर कुछ प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। इसका कारण कुछ प्रमुख राज्यों में चुनाव शुरू होना है। इसके अलावा, चीन के निर्यात में उम्मीद से कहीं अधिक गिरावट के साथ वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख का भी असर पड़ा। चीनी निर्यात में गिरावट वैश्विक व्यापार में लगातार नरमी को दर्शाती है।''

उन्होंने कहा, ''सऊदी अरब और रूस के आपूर्ति कटौती की अवधि बढाये जाने के निर्णय के बावजूद कच्चे तेल के दाम में नरमी आई है। यह वैश्विक स्तर पर जारी तनाव के बीच भारत के लिये अच्छा संकेत है। इसके साथ, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में नरमी और कंपनियों के बेहतर तिमाही परिणाम से दीर्घकालीन रिटर्न को समर्थन मिलने की उम्मीद है।''

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.37 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 549.37 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

टाटा पावर ने आईआईटी रुड़की से किया करार

नई दिल्ली (भाषा)।

बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लि. (टाटा पावर डीडीएल) ने ऊर्जा के बेहतर और अनुकूलतम उपयोग को लेकर अनुसंधान और समाधान विकसित करने के लिये देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी-रुड़की के साथ समझौता किया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के उत्तरी भाग में बिजली वितरण करने वाली टाटा पावर डीडीएल ने मंगलवार को बयान में कहा, ''बिजली वितरण कंपनी और आईआईटी-रुड़की ने अपनी 'ऊर्जा अर्पण' पहल के तहत बिजली के बेहतर और अनुकूलतम उपयोग के लिये अनुसंधान एवं समाधान विकसित करने को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। इस पहल का मकसद हरित और पर्यावरण अनुकूल भविष्य है।''

समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर टाटा पावर डीडीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गणेश श्रीनिवासन और आईआईटी-रुड़की में हाइड्रो और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख एम के सिंघल ने दस्तखत किये।

इस मौके पर श्रीनिवासन ने कहा, ''आईआईटी-रुड़की के साथ हमारा समझौता हमारे अनुभवों और उनकी अकादमिक श्रेष्ठता का परस्पर मेल कराते हुए, 'ऊर्जा अर्पण' के अंतर्गत अनुसंधान पत्र और अधिक नवोन्मेषी विचारों को सामने लाने में मददगार होगा...।''

सिंघल ने कहा, ''हम इस एमओयू को लेकर काफी उत्साहित हैं। हम भारत में जमीनी स्तर की समस्याओं के कारण पेश आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों के समाधान के लिये टाटा पावर-डीडीएल के साथ मिलकर काम कर रहे हैं...।''

एलएंडटी टेक्नोलॉजी का गूगल क्लाउड से करार

नई दिल्ली (भाषा)।

लार्सन एंड टुब्रो टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने अपने परिचालन में जेनरेटिव प्रौद्योगिकी लागू करने के लिए गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एलटीटीएस लार्सन एंड टुब्रो ग्रुप के तहत डिजिटल इंजीनियरिंग और आरएंडडी सेवा कंपनी है। कंपनी ने बयान में कहा कि एलटीटीएस डेवलपर एक्सपीरियंस प्लेटफॉर्म इंजीनियरिंग सेवाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो सभी उद्योगों में एपीआई-सक्षम समाधान पेश करता है।

कंपनी ने कहा कि वह यह प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने के लिए गूगल क्लाउड के साथ अपनी विशेषज्ञता का संयोजन करेगी। एलटीटीएस के सीओओ अभिषेक सिन्हा ने कहा, ''यह साझेदारी न केवल हमें हमारे जनरल एआई लक्ष्यों के करीब ले जाती है बल्कि कई उद्योगों के लाभ के लिए इंजीनियरिंग और डिजिटल समाधान में क्रांति लाने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है।''

7 वर्ष में 30 करोड़ टन इस्पात विनिर्माण क्षमता का लक्ष्य

नई दिल्ली (भाषा)।

देश की इस्पात विनिर्माण क्षमता 16.1 करोड़ टन को पार कर चुकी है और उद्योग लगातार वृद्धि की ओर अग्रसर है। इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने मंगलवार को यह बात कही। राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुसार, भारत का 2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात विनिर्माण क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है।

सिन्हा ने राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) के चौथे इस्पात सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''हम पहले ही 16.1 करोड़ टन क्षमता पार कर चुके हैं। इसमें ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सिजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) के जरिये 6.7 करोड़ टन, इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) से 3.6 करोड़ टन और इंडक्शन फर्नेस (आईएफ) के जरिये 5.8 करोड़ टन क्षमता शामिल है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश का इस्पात उद्योग लगातार वृद्धि की राह पर है।

■ भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा वाहन बाजार है और अगले 10 साल में इसके सालाना आठ से 10 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद

सिन्हा ने कहा कि भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा वाहन बाजार है और अगले 10 साल में इसके सालाना आठ से 10 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा विनिर्माण क्षेत्र की सालाना वृद्धि दर सात से आठ प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस वजह से दोनों क्षेत्रों में इस्पात की मांग बढ रही है।

सिन्हा ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) बेहतर तरीके से आगे बढ रही है।

उद्योग ने इसके तहत 29,500 करोड़ रुपये में से 10,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है इस्पात सचिव ने कहा कि इस क्षेत्र को कार्बन उत्सर्जन और वैश्विक बाजार की मांग से संबंधित महत्वपूर्ण चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि उद्योग की दीर्घावधि की स्थिरता और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय लक्ष्यों को पाने के लिए कम कार्बन उत्सर्जन वाली प्रौद्योगिकियों को अपनाना, हितधारकों के साथ सहयोग और हरित व्यवहार को अपनाना जरूरी हो जाता है।

यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) पर उन्होंने कहा कि इसने इस्पात उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा, ''सामान्य रूप से इस्पात विनिर्माण में कॉर्बन उत्सर्जन को कम करने की काफी गुंजाइश है।'

मेकओ ने खोला नोएडा में एक्सपीरियंस सेंटर

नई दिल्ली (वि)। वर्ष 2022 में लॉन्च किए गए, मेकओ एक्सपीरियंस सेंटर पूरे भारत में एक्सपीरियंस-आधारित और फंक्शनल सेंटर है, जहां ग्राहक आकर योग्य विशेषज्ञों और उन्नत तकनीक के साथ दांत, त्वचा और बालों की समस्याओं का इलाज करा सकते है। एक्सपीरियंस सेंटर की सफलता को देखते हुए मेकओ ने दिल्ली-एनसीआर के नोएडा में अपना 19वां स्टोर खोला है। बाकी एक्सपीरियंस सेंटर की तरह नोएडा सेंटर प्रमाणित डॉक्टरों, ऑर्थोडॉन्टिस्ट और त्वचा विशेषज्ञों के साथ कॉम्प्लीमेंट्री दांत स्कैन और लेजर हेयर रिमूवल का ट्रायल देगा।

एक्सपीरियंस सेंटर अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित है और बालों के झड़ने और गंजापन से निपटने के लिए कस्टमाइज्ड क्लियर डेंटल एलाइनर्स, बेहतरीन स्किन ट्रीटमेंट, लेटेस्ट 4 वेवलेंथ टेक्नोलॉजी का उपयोग करके लेजर हेयर रिमूवल, प्लेटलेट-रिच प्लाज़्मा (पीआरपी) थेरेपी और डर्मारोलर और मेसोथेरेपी जैसे माइक्रोनीडलिंग ट्रीटमेंट जैसे उन्नत समाधान देता है।

भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ जुड़ने की जरूरत : नीति आयोग

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ जुड़ने और उभरती व्यापारिक प्रणालियों के साथ तेजी से तालमेल बिठाने की जरूरत है। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रमण्यम ने मंगलवार को यह बात कही। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नीति आयोग द्वारा 'वृद्धि और समृद्धि के लिए समावेशी व्यापार' विषय पर आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए सुब्रमण्यम ने एक गैर-भेदभावपूर्ण और समावेशी व्यापार प्रणाली की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जो वृद्धि और समृद्धि के इंजन के रूप में व्यापार को बढ़ावा दे।

कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने श्रम-गहन आपूर्ति श्रृंखलाओं, नीति निर्धारण के लिए संस्थागत कारकों और कराधान प्रणाली को मजबूत बनाने की बात कही।

विरमानी ने विभिन्न डंपिंग-रोधी मुद्दों का समाधान करने और संभावित भागीदारों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को बढावा देने की जरूरत पर भी जोर दिया। नीति आयोग नयी दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन (एनडीएलडी) के प्रमुख एजेंडों पर कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है। इसका मकसद देश की वृद्धि और समृद्धि को गति देने के लिए रणनीति तैयार करना है।

जेड ब्लैक अगरबत्ती व धोनी ने हाथ मिलाया

नई दिल्ली (वि)। प्रीमियम अगरबत्ती उत्पादों के प्रसिद्ध निर्माता जेड ब्लैक अगरबत्ती और पूर्व क्रिकेट दिग्गज एमएस धोनी चल रहे आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान सामूहिक प्रार्थना की भावना और वायरल प्रार्थनाओं की शक्ति का जश्न मनाने के लिए एक बार फिर साथ आए है। जेड ब्लैक ने दिल को छू लेने वाला एक विज्ञापन अभियान शुरू किया है जो दोस्ती, एकता और सामूहिक प्रार्थनाओं की ताकत को दर्शाता है।

टीवी विज्ञापन में एमएस धोनी को दोस्तों के एक ग्रुप के साथ एक रोमांचक मैच का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। जबकि ग्रुप गेम में दांतों से नाखून काटने वाले क्षण को देख रहे होता है, कैप्टन कूल कठिन समय में वायरल प्रार्थनाओं की भावना के बारे में बात करते है। अंकित अग्रवाल, निदेशक, मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस ने कहा, 'हम लगभग एक दशक से जेड ब्लैक परिवार के हिस्से रहे दिग्गज एमएस धोनी के साथ फिर से जुड़ने के पर सही में सम्मानित महसूस कर रहे है।

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए वित्तीय प्रोत्साहन चौथी तिमाही से

नई दिल्ली (भाषा)।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार घरों में उपयोग होने वाले एयर कंडीशनर जैसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों(व्हाइट गुड्स) के लिये उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन चौथी तिमाही से देना शुरू कर सकती है। कुछ कंपनियों ने इन वस्तुओं का उत्पादन शुरू किया है। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिये उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उद्देश्य एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है।

■ इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिये उत्पादन से जुड़ी पीएलआई योजना का उद्देश्य एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना

■ पीएलआई योजना के तहत मार्च तक प्रोत्साहन के रूप में 2,900 करोड़ रुपये वितरित किये गये

सिंह ने यहां भारत-दक्षिण कोरिया व्यापार भागीदारी मंच की बैठक के के दौरान अलग से बातचीत में संवाददाताओं से कहा, ''अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में हम पीएलआई के तहत कुछ वित्तीय प्रोत्साहन के वितरण की उम्मीद कर रहे हैं।' पीएलआई योजना के तहत 64 लाभार्थी इकाइयों में से 15 ने उत्पादन शुरू कर दिया है। इन 15 लाभार्थियों ने 31 मार्च, 2022 तक की अवधि का विकल्प चुना था। बाकी लाभार्थी ने 31 मार्च, 2023 तक की अवधि का विकल्प चुना था। वे परियोजना क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह योजना 2021-22 से 2028-29 तक सात साल की अवधि में लागू की जानी है। इस पर 6,238 करोड़ रुपये का व्यय आने का अनुमान है। सिंह ने यह भी कहा कि वाहन और 'व्हाइट गुड्स' जैसे पीएलआई क्षेत्रों में परियोजना क्रियान्वयन की अवधि लंबी होती है। कंपनियों को प्रोत्साहन के लिये पात्र होने को लेकर निवेश सीमा को पार करना पड़ता है और इसमें समय लगता है।

उल्लेखनीय है कि कुल 1.98 लाख करोड़ रुपये की पीएलआई योजना के तहत मार्च तक प्रोत्साहन के रूप में 2,900 करोड़ रुपये वितरित किये गये हैं। इस साल इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में लगी कंपनियों के लिये 1,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रोत्साहन की मंजूरी दी गई है सचिव ने कहा कि पीएलआई योजना में इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल विनिर्माण, औषधि और खाद्य प्रसंस्करण जैसे कुछ क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि कपड़ा जैसे क्षेत्रों में कुछ सुधार की जरूरत है।

उन्होंने सेमीकंडक्टर विनिर्माण पर कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को आगे आने और भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाने के लिये प्रोत्साहित कर रही है। इससे पहले, सिंह ने बैठक में अपने संबोधन में कहा कि 10 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर विनिर्माण योजना में दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिये भारत में बड़े अवसर हैं। दक्षिण कोरिया 17 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर विनिर्माता है। साथ ही 'मेमोरी चिप्स' और डिस्प्ले में अगुवा है।

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के बारे में सचिव ने कहा कि हल्के इंजीनियरिंग और औषधि जैसे घरेलू क्षेत्रों के लिये निर्यात के अवसर मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 27.9 अरब डॉलर रहा, जो 2021-22 में 25.6 अरब डॉलर था।

'फिनटेक' कंपनियों में पारंपरिक बैंक का विकल्प बनने की क्षमता : आबीआई

नई दिल्ली (भाषा)।

देश का वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र निकट भविष्य में पारंपरिक बैंक के विकल्प के रूप में उभर सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के 'एडवांस्ड फाइनेंशियल रिसर्च एंड लर्निंग सेंटर (काफराल) ने एक रिपोर्ट में यह बात कही।

रिपोर्ट में डिजिटलीकरण और वित्तीय स्थिरता की वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बेहतर विनियमन पर जोर दिया गया।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मंगलवार को काफराल का पहला प्रमुख

प्रकाशन 'इंडिया फाइनेंस रिपोर्ट 2023' शीर्षक के साथ जारी किया।

काफराल एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसे 2011 में आरबीआई ने बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में शोध और शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक स्वतंत्र निकाय के रूप में स्थापित किया था।

रिपोर्ट भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र के बारे में नया नजरिया देती है। इससे नियामकों और नीति निर्माताओं सहित सभी संबद्ध पक्षों को इस क्षेत्र की बेहतर समझ हासिल करने में मदद मिल सकती है।

रिपोर्ट के लिए अपनी टिप्पणी में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने कहा कि रिपोर्ट में एनबीएफसी में विविधता, पारंपरिक बैंकिंग की तुलना में पूरकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की पड़ताल की गई है। यह एनबीएफसी और फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) के बीच बढ़ते तालमेल के प्रति संवेदनशील है। फिनटेक ऐसी प्रौद्योगिकी कंपनियां हैं, जो वित्तीय क्षेत्र में काम करती हैं।

'गिफ्ट हेयर' कैंपेन में शामिल हुई डाबर

नई दिल्ली (वि)। डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से दुनिया के नंबर 1 हेयर ऑयल ब्राण्ड डाबर आंवला ने एक अनूठे कैंपेन 'गिफ्ट हेयर, गिफ्ट कॉन्फीडेन्स' के लिए चेरियन फाउन्डेशन के साथ हाथ मिलाया है। समाज में कैंसर से जुड़ी गलत अवधारणाओं को दूर करना और महिलाओं को कैंसर के जल्दी निदान के बारे में जागरूक बनाना इस कैंपेन का मुख्य उद्देश्य है।

इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड में हेयर केयर के मार्केटिंग हैड अंकुर कुमार ने कहा, 'डाबर आंवला हमेशा से महिलाओं को सशक्त बनाने और समुदायों को सहयोग प्रदान करने के लिए प्रयासरत रहा है। कैंसर के उपचार की वजह से बाल चले जाना महिलाओं के लिए बेहद दर्दनाक अनुभव होता है। हम इन महिलाओं को सपोर्ट करना चाहते है ताकि वे फिर से अपने आप को खूबसूरत और कॉन्फीडेन्ट महसूस करें।

यह गेल नहीं ग्लेन...

मुंबई में मैक्सवेल का डबल मैजिक

पूरी टीम पर भारी पड़ गया एक अकेला बल्लेबाज

ग्लेन का बिग शो

201* जड़ा धुआंधार दोहरा शतक

रन	बॉल	चौके	छक्के
201*	128	21	10

आज काफी गर्मी थी। धूप में फील्डिंग करने के बाद बल्लेबाजी के दौरान यह मेरे ऊपर हावी हो गई। हालांकि कुछ अधिक रणनीति नहीं बनाई। सिर्फ अपने शॉट्स पर ध्यान केंद्रित रखा। परिस्थियों के परे मेरा ध्यान अपने स्वभाविक खेल खेलने के ऊपर ही था।

■ ग्लेन मैक्सवेल
प्लेयर ऑफ द मैच

ऑस्ट्रेलिया की जीत से टूटे 3 बड़े रिकॉर्ड

- मैक्सवेल ने रन चेज में सबसे बड़ी इंडिविजुअल पारी खेली। उन्होंने 128 बॉल पर 201* रन बनाए। मैक्सवेल ने पाकिस्तानी ओपनर फखर जमान (193 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2021 में बनाया था।
- ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्डकप में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया है। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा रन चेज 287 रन का था, जो कंगारू टीम ने 1996 वर्ल्डकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ किया था।
- ग्लेन मैक्सवेल और कप्तान पैट कमिंस की जोड़ी ने 8वें विकेट के लिए 202 रन की नाबाद साझेदारी की। यह वनडे में आखिरी तीन विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। मैक्सवेल-कमिंस की जोड़ी ने एंड्रू हाल और जस्टिन कैंप का रिकॉर्ड तोड़ा। साउथ अफ्रीकी जोड़ी ने भारत के खिलाफ 2006 में कैपटाउन में नाबाद 138 रन की पार्टनरशिप की थी।

वर्ल्डकप का तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर

237*	मार्टिन गुप्टिल (न्यूजीलैंड) VS वेस्टइंडीज, वेलिंग्टन 2015
237	क्रिस गेल (वेस्टइंडीज) VS जिम्बाब्वे, कैनबरा 2015
201*	ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया) VS अफगानिस्तान, मुंबई 2023
188	गैरी कर्स्टन (साउथ अफ्रीका) VS रावलपिंडी 1996
188	सौरव गांगुली (भारत) VS श्रीलंका, टॉन्टन 1999

खुद दर्द से जूझते रहे, लेकिन....

ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा यह जीत मैक्सवेल के नाम होगी, इतिहास में शायद ही ऐसी पारी आपने या हमने देखी होगी। मैक्सवेल ने मैच का ना सिर्फ अपने प्रदर्शन से पासा पलटा, बल्कि इंजरी से लड़ते-लड़ते दोहरा शतक जड़ दिया। खुद दर्द से जूझते रहे, लेकिन अपनी टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश दिलाकर ही माने।

मैक्सवेल ने वनडे में चेज करते हुए बनाया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर

201*	ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया) VS अफगानिस्तान, मुंबई	2023 WC
193	फखर जमां (पाकिस्तान) VS साउथ अफ्रीका, जोहानिसबर्ग	2021
185*	शेन वॉटसन (ऑस्ट्रेलिया) VS बांग्लादेश, मीरपुर	2011
183*	महेंद्र सिंह धोनी (भारत) VS श्रीलंका, जयपुर	2005
183	विराट कोहली (भारत) VS पाकिस्तान, मीरपुर	2012

*वर्ल्ड कप में इससे पहले चेज करते हुए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 158 रन इंग्लैंड के एंड्रयू स्ट्रॉस ने भारत के खिलाफ बनाया था। यह मैच 2011 वर्ल्डकप में बेंगलुरु में खेला गया था।

विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनीं ऑस्ट्रेलिया

रोमांचक मैच में अफगानिस्तान को 3 विकेट से हराया, जदरान का शतक गया बेकार

मुंबई,(एजेंसी)। संकटकालीन स्थिति में ग्लेन मैक्सवेल की नाबाद 201 रनों की दोहरे शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी वर्ल्डकप के 39वें मुकाबले में मंगलवार को अफगानिस्तान को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में एंट्री की। मौजूदा विश्वकप में यह किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया पहला दोहरा शतक है।

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी कराते हुए पांच विकेट पर 195 रन बनाए। 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की पारी शुरुआत बेहद खराब रही और एक समय तो 16.4 ओवरों में 91 के स्कोर पर उसने सात विकेट गंवा दिए थे और वह हार की कगार पर पहुंच गई थी। संकट की स्थिति में मैक्सवेल ने पारी को संभाला 128 गेंदों नाबाद 201 रन की पारी खेलते हुए अपनी टीम को 46.5 ओवर में 193 रन बनाकर जीत दिला दी। अफगानिस्तान की ओर से राशिद खान, ओमरजई और नवीन ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले अफगानिस्तान ने इब्राहिम जदरान नाबाद 129 रनों की शतकीय पारी और राशिद खान के अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ नाबाद 35 रनों की बदौलत अफगान ने पांच विकेट पर 291 रन बनाए।

शेन वॉटसन का रिकॉर्ड तोड़ा: ऑस्ट्रेलिया के लिए रन चेज करते हुए सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड शेन वॉटसन के नाम था। उन्होंने 2011 में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 185 रन बनाए थे। वॉटसन के ही नाम ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर था। वर्ल्डकप में रन चेज में सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस के नाम था।

दूसरा सबसे तेज दोहर शतक: वनडे सबसे तेज डबल सेंचरी का रिकॉर्ड टीम इंडिया के ओपनर इशान किशन के नाम है। उन्होंने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंद लिए थे। मैक्सवेल ने 128 गेंद लिए। क्रिस गेल तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 138 गेंद लिए थे।

सेमीफाइनल में पहुंचना सुखद है। यह जीत वाकई अविश्वसनीय है। यह जीत कुछ ऐसी है जिसके बारे में लोग आगे कहानियां सुनाएंगे। लोग दूसरों को बताएंगे कि उस दिन मैं स्टेडियम था। जम्पा दो तीन बार बल्लेबाजी के लिए आए थे लेकिन मैक्सवेल ने मैदान में लड़ना ही चुना। उनके पास हमेशा एक प्लैन होता है।

■ पैट कमिंस
ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

हम काफी निराश हैं। क्रिकेट एक फनी गेम है, यह बिल्कुल भी विश्वास करने योग्य नहीं है। हम खेल में बने हुए थे और हमारे गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत की थी। सात विकेट गिरने के बाद हमने जो मौके गंवाए वह हम पर भारी पड़ गए और अंत में मैक्सवेल मैच को हमसे छीन ले गए। हमारे गेंदबाजों ने वापसी की पूरी कोशिश की लेकिन मैक्सवेल को श्रेय देना होगा। हम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेंगे।

■ हशमतुल्लाह शहीदी
अफगानिस्तानी कप्तान

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4/6
गुरबाज कै. स्टार्क बो. हेजलवुड	21	25	2/0
इब्राहिम जदरान नाबाद	129	143	8/3
रहमत शाह कै. हेजलवुड बो. मैक्सवेल	30	44	1/0
हशमतउल्लाह शहीदी बो. स्टार्क	26	43	2/0
ओमरजाई कै. मैक्सवेल बो. जम्पा	22	18	1/2
मोहम्मद नबी बो. हेजलवुड	12	10	0/1
राशिद खान नाबाद	35	18	2/3

अतिरिक्त:16, **कुल**: 50 ओवर में पांच विकेट पर 291 रन, **विकेट पतन**: 1-38, 2-121, 3-173, 4-210, 5-233, **गेंदबाजी**: मिचेल स्टार्क 9-0-70-1, जॉश हेजलवुड 9-0-39-2, ग्लेन मैक्सवेल 10-0-55-1, पैट कमिंस 8-0-47-0, ऐडम जम्पा 10-0-58-1, ट्रैविस हेड 3-0-15-0, मार्कस स्टॉयनिस1-0-2-0,

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर बो. ओमरजाई	18	29	3/0
ट्रैविस हेड कै. अलीखिल बो. नवीन	00	2	0/0
मिचेल मार्श पगबाधा नवीन	24	11	2/2
मार्नस लाबुशेन रन आउट	14	28	2/0
जॉश इंग्लस कै. जदरान बो. ओमरजाई	00	01	0/0
ग्लेन मैक्सवेल नाबाद	201	128	21/10
मार्कस स्टॉयनिस पगबाधा राशिद	06	07	1/0
मिचेल स्टार्क कै. अलीखिल बो. राशिद	03	07	0/0
पैट कमिंस नाबाद	12	68	1/0

अतिरिक्त: 15, **कुल**: 46.5 ओवर में सात विकेट पर 293 रन, **विकेट पतन**: 1-4, 2-43, 3-49, 4-49, 5-69, 6-87, 7-91, **गेंदबाजी**: मुजीब उर रहमान 8.5-1-72-0, नवीन उल हक 09-0-47-2, अजमतउल्लाह ओमरजाई 7-1-52-2, राशिद खान 10-0-44-2, नूर अहमद 10-1-53-0, मोहम्मद नबी 2-0-20-0.

वर्ल्डकप काउंटर

बाउंड्री मीटर

छक्के	498
चौके	1815

सर्वाधिक रन

खिलाड़ी	टीम	रन
क्विंटन डि कॉक	द.अफ्रीका	550
विराट कोहली	भारत	543
रचिन रविंद्र	न्यूजीलैंड	523

सर्वाधिक विकेट

खिलाड़ी	टीम	विकेट
दिलशान मदुशंका	श्रीलंका	21
एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	20
मार्को यानसन	द. अफ्रीका	17

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
भारत	8	8	0	16	2.456
द. अफ्रीका	8	6	2	12	1.376
ऑस्ट्रेलिया	8	6	2	12	0.861
न्यूजीलैंड	8	4	4	8	0.398
पाकिस्तान	8	4	4	8	0.036
अफगानिस्तान	8	4	4	8	-0.338
बांग्लादेश	8	2	6	4	-1.142
श्रीलंका	8	2	6	4	-1.160
नीदरलैंड्स	7	2	5	4	-1.398
इंग्लैंड	7	1	6	2	-1.504

भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंची

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हांगझोउ एशियाई खेलों और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठे नंबर पर पहुंच गई। भारत अब इंग्लैंड से ऊपर 2368.83 रेटिंग अंक के साथ छठे स्थान पर है। भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों से पहले आठवें स्थान पर थी। हांगझोउ में भारत ने कांस्य पदक जीता और रांची में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में अपराजेय रहते हुए खिताब हासिल किया।

सुनील छेत्री बोले, अभी संन्यास लेने का कोई फैसला नहीं किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत के करिश्माई फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री ने स्वीकार किया है कि वह अपने करियर के बोनस पीरियड में हैं लेकिन उन्होंने संन्यास लेने की कोई तारीख तय नहीं की है। हालांकि यह तय है कि 39 साल के छेत्री 2026 फुटबॉल विश्वकप में नहीं खेलेंगे। छेत्री ने इस महीने होने वाले भारत के विश्वकप 2026 के दूसरे दौर के क्वॉलीफायर से पूर्व कहा, मुझे खुशी है कि मैं यहां हूं। यह मेरे लिए बोनस पीरियड है, मैं सिर्फ इसका लुत्फ उठा रहा हूं। मुझे नहीं पता कि यह कब समाप्त होगा। मैं सिर्फ इसका लुत्फ उठाना चाहता हूं।

भारत की तीरंदाजी कंपाउंड मिश्रित टीम सेमीफाइनल में

बैंकॉक, (एजेंसी)। प्रियांश और अदिति स्वामी की कंपाउंड मिश्रित टीम ने मंगलवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल प्रवेश कर लिया हैं। इसी के साथ टीम अब पदक पक्का करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। भारतीय जोड़ी ने बिटा आशेगजादेह ओस्कोयुई और मोहम्मदसालेह पालिजबान की जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 158-151 से शिकस्त। धीरज बोम्मादेवारा और अंकिता भकत की रिकर्व मिश्रित टीम को हालांकि 4-2 की बढ़त बनाने के बावजूद टाईब्रेकर में जापान की जोड़ी के खिलाफ एक अंक से हार का सामना करना पड़ा। दोनों टीम शुरुआती दो सेट में टाई थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने तीसरा सेट जीतकर 4-2 की बढ़त बनाई।

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

कैनकन, (एजेंसी)। पोलैंड की टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने डब्ल्यूटीए फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-1, 6-0 से हराकर टूर का अपना छठा खिताब और साल की 68वीं जीत हासिल की। स्वियातेक ने दुनिया की नंबर तीन महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला को हराकर अपने करियर में पहली बार सत्र के आखिरी चैंपियनशिप के खिताब पर कब्जा किया। इस खिताब के साथ ही वह दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई है। यह डब्ल्यूटीए फाइनल के इतिहास में सबसे एकतरफा फाइनल था। स्वियातेक ने मुकाबला आसानी से जीत लिया।

वनडे विश्वकप में आज आमने सामने होंगे इंग्लैंड-नीदरलैंड्स

पुणे,(एजेंसी)। बेहद निराशाजनक प्रदर्शन कर खिताबी दौड़ से बाहर हो चुकी गत चैम्पियन इंग्लैंड की टीम बुधवार को जब आईसीसी वनडे वर्ल्डकप 2023 में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसके सामने जीत के साथ चैम्पियंस ट्रॉफी में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने की चुनौती होगी। यह मैच महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे में दोपहर 02 बजे से खेला जाएगा। इंग्लैंड सात मैचों में महज एक जीत के साथ 10 टीमों की तालिका में आखिरी पायदान पर है जबकि नीदरलैंड की स्थिति उससे थोड़ी बेहतर है। टीम इतने ही मैचों में दो जीत और चार अंक के साथ नौवें स्थान पर है। दोनों टीमें आधिकारिक तौर पर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर है। इंग्लैंड शनिवार को चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया से 33 रन की हार का सामना करना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट के दौरान बताया कि मेजबान पाकिस्तान के अलावा विश्वकप की शीर्ष सात टीमें 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वॉलीफाई करेंगी।

भोपाल,(खेसं)। वैष्णवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय स्पोर्ट्स फेस्ट में क्रिकेट, चेस, एथेलेटिक्स, लूडो, कैरम, कबड्डी, बैडमिंटन, टग ऑफ वार जैसी अनेक प्रतियोगिताएं संपन्न हुई।

अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट में उत्तर क्षेत्र की कमान संभालेंगी शेफाली वर्मा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा 24 नवंबर से 4 दिसंबर के बीच लखनऊ में आयोजित होने वाले अंतर क्षेत्रीय महिला टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में उत्तर क्षेत्र की टीम की अगुआई करेंगी। शेफाली के साथ हरलीन देओल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज तान्या भाटिया और भारतीय टीम से बाहर चल रही सुषमा वर्मा को भी टीम में जगह दी गई है।

सेंट जोसेफ स्कूल सागर ने जीता सीबीएसई क्लस्टर 12 फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब

फाइनल मुकाबले में दीपक मेमोरियल को 1- 0 से दी शिकस्त

भोपाल, (खेसं)। सेंट जोसेफ स्कूल सागर ने सीबीएसई क्लस्टर 12 फुटबॉल बॉयज प्रतियोगिता का खिताब जीता। पीपुल्स पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मंगलवार सेंट जोसेफ स्कूल सागर एवं दीपक मेमोरियल एकेडमी सागर के बीच खेला गया। इस फाइनल मुकाबले में सेंट जोसेफ स्कूल सागर ने दीपक मेमोरियल को 1- 0 से हराकर खिताबी अपने नाम किया। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि सीईओ खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन केकेउपाध्याय जी, जिला शिक्षा अधिकारी एके त्रिपाठी जी, सीबीएसई ऑब्जर्वर संदीप भंडारी, सीबीएसई टेक्निकल डेलीगेट सागर रायकवार स्कूल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में दोनों ही फाइनल मुकाबले की विजेता और उप विजेता टीम सीबीएसई नेशनल टूर्नामेंट के लिए क्वॉलीफाई हुई। नेशनल प्रतियोगिता केरल में दिनांक 16 से 21 नवंबर के बीच खेली जाएगी।

विशेष पुरस्कार

विजेता टीम: सेंट जोसेफ कॉन्वेंट सागर, उपविजेता **टीम**: दीपक मेमोरियल एकेडमी सागर, **बेस्ट गोलकीपर**: जेम्स बघेल (दीपक मैमोरियल सागर), **बेस्ट डिफेंडर**: आनंद झा (शारदा विद्या मंदिर भोपाल), **बेस्ट स्ट्राइकर**: शाश्वत जैन (सेंट जोसेफ कोएड भोपाल), **मैन ऑफ द टूर्नामेंट**: आदिल मकरानी (दीपक मैमोरियल सागर)।

शिमला-मनाली में नहीं गुजरात को बनाएं हनीमून डेस्टिनेशन, यादगार बनेगा हर पल

शादी के बाद कपल्स को हनीमून की प्लानिंग करना एक बड़ा काम लगता है। वहीं अगर बजट कम होता है तो यह प्लानिंग थोड़ा और भी मुश्किल हो जाती है। क्योंकि फिर आपको भारत में ही हनीमून डेस्टिनेशन के लिए बेस्ट जगह ढूंढनी होती है। ऐसे में कपल्स को जगह चुनने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी हमीमून के लिए किसी अच्छी और बेहतरीन जगह की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि आप अपना हनीमून ट्रिप प्लान गुजरात के लिए कर सकते हैं। जहां पर आप हिल स्टेशन, बीच और जंगल सफारी के साथ टेस्टी खाने का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

ऐसे करें गुजरात में हनीमून ट्रिप प्लान- जहां बहुत सारे कपल्स अपने हनीमून के लिए विदेश जाने का प्लान बनाते हैं। तो वहीं आप हनीमून के लिए गुजरात जा सकते हैं। इस ट्रिप के लिए आप शानदार सा होटल या फिर रिजॉर्ट बुक कर सकते हैं। वहीं बजट कम होने पर आप 5 दिन के लिए होटल बुक कर सकते हैं। एक रात के लिए आपको 1000 से 1500 रुपए के बीच में आसानी से रूम मिल जाएंगे।

घूमने के लिए जगह- कपल्स को अक्सर हनीमून के लिए बीच पर जाना पसंद होता है। हांलाकि अगर आपको भी बीच पसंद हैं, तो आपको गोवा जाने की जरूरत नहीं है।

बजट कम होने पर आप गुजरात में भी बीच का मजा ले सकते हैं।

शिवराजपुर बीच- अगर आप बीच पर जाने के शौकीन हैं तो आप शिवराजपुर बीच पर जा सकते हैं। यहां पर काफी कम भीड़ होती है। ऐसे में आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ सुकून के कुछ पल पिता सकते हैं। इस जगह से द्वारका करीब 12 किमी दूर है। इस जगह पर सूर्यास्त का नजारा बिलकुल भी मिस ना करें।

सापुतारा- इसके अलावा आप अपनी लाइफ पार्टनर के साथ सापुतारा भी घूमने के लिए जा सकते हैं। गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित सापुतारा एक फेमस हिल स्टेशन है। यहां पर आपको समुद्र, पहाड़ और रेगिस्तान का अलग नजारा देखने को मिलेगा।

कच्छ- अगर आपकी भी शादी सर्दी के मौसम में हो रही है, तो गुजरात आपके लिए सबसे अच्छी जगह है। क्योंकि गुजरात में आप सर्दियों के मौसम में रण उत्सव देख सकते हैं। कच्छ गुजरात की सबसे खूबसूरत और बेहतरीन जगहों में से एक हैं। आप चाहें तो पत्नी के साथ रेगिस्तान में रात गुजार सकते हैं।

भुज- अगर आप इस दौरान ऐतिहासिक चीजें भी देखना चाहती हैं तो भुज जाकर आप निराश नहीं होंगे। यहां पर आप रेगिस्तान की सैर, ऊंट की सवारी, पुराने बाजारों में घूमना और भीड़-भाड़ वाली जगह से दूर एकांत में समय बिता सकते हैं। इसके अलावा इन 6 दिनों के ट्रिप में लक्ष्मी विलास पैलेस, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, अक्षरधाम और साबरमती आश्रम जैसे कई जगहों पर भी घूम सकते हैं।

लोक साहित्य

डा. अनसूया अग्रवाल

प्रेरक होती हैं आंचलिक बाल कहानियां

छत्तीसगढ़ी कहानियों में यहां के जनजीवन का प्रमाणिक बिंब दिखाई देता है। लोक रंग की विविधता का आनंद भी कहानी को अभिन्न बना देते हैं। अध्ययन की सुविधा के लिए शिक्षाप्रद कहानियां, पशु-पक्षी विषयक कहानियां, पद्ययुक्त कथाएं, प्रकृति विषयक कहानियां, ऐतिहासिक कहानियां और साधुसंतों की कहानियों जैसे अलग अलग खंडों में विभाजित करते हैं। इन सभी विषयों पर छत्तीसगढ़ी कहानियों की भरमार है।

छत्तीसगढ़ी बाल कहानियां छत्तीसगढ़ के जीवन, परंपरा, संस्कृति वातावरण आदि की विविधता से प्रभावित हैं। छत्तीसगढ़ गांवों का प्रदेश है। यहां के ग्रामीण लोगों की जीवन शैली उदारता, सेवाभाव प्रवृत्ति उनके सहज वैचित्र्य पूर्ण व्यवहार , विचार, अनुभव, कौतुहल आदि की अभिव्यक्ति स्वाभाविक रूप से छत्तीसगढ़ी बाल कहानियों में हुई है। छत्तीसगढ़ी कहानियों में यहां के जनजीवन का प्रमाणिक बिंब दिखाई देता है। लोक रंग की विविधता का आनंद भी कहानी को अभिन्न बना देते हैं। अध्ययन की सुविधा के लिए शिक्षाप्रद कहानियां, पशु-पक्षी विषयक कहानियां, पद्ययुक्त कथाएं, प्रकृति विषयक कहानियां, ऐतिहासिक कहानियां और साधु-संतों की कहानियां जैसे अलग अलग खंडों में विभाजित करते हैं। इन सभी विषयों पर छत्तीसगढ़ी कहानियों की भरमार है। आजकल की कहानियों में आधुनिकता का समावेश होने लगा है, तथा कहानीकार इस परिवेश को और अधिक रोचक बनाने में कोई कमी नहीं कर रहे हैं। देखें यह पंक्ति-

सुति जाबे सुति जाबे, बेटा मोर राज दुलारा गा।
आंखी तारा मोर, जीव के अधारा गा।

पुस्तक समीक्षा

बस्तर की प्राचीन राजधानी बड़े डोंगर

कृति के नाव	बस्तर की प्राचीन राजधानी बड़े डोंगर
कृतिकार	घनश्याम सिंह नाग
प्रकाशक	आईसेक्ट पब्लिकेशन भोपाल
समीक्षक	पूनम यादव
मूल्य	दो सौ रूपए

छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल अनेक दृष्टिकोणों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, इसीलिए इस अंचल की ख्याति देश-विदेश तक फैली हुई है। विदेशी पर्यटकों के लिए यह स्थल काफी महत्व रखता है। माना जाता है कि बस्तर अंचल की राजधानी पूर्व में बड़े डोंगर रही है। इतिहास के अनेक तथ्यों को बड़े डोंगर ने सहेज रखा है। इसे अपनी कृति-बस्तर की प्राचीन राजधानी बड़े डोंगर, के माध्यम से कृतिकार ने रखने का अच्छा प्रयास किया है, जिसमें आपने बस्तर का संक्षिप्त इतिहास, बड़े डोंगर का इतिहास, यहां की संस्कृति, प्रतिमाएं और सौदर्य स्थल को चित्रित करने का प्रयास किया है। इस पुस्तक में अंचल से संबंधित सभी विषय-वस्तु को बारीकी से तथा बेहतर ढंग से चित्र सहित पाठकों के समक्ष रखने का अच्छा प्रयास हुआ है। कई अनछुए पहलुओं को इस पुस्तक में स्थान दिया गया है। यह पुस्तक आम के साथ ही शोधार्थी व इतिहास के संबंध में जानकारी रखने वालों के लिए महत्वपूर्ण कृति साबित होगी।

शंकर-पार्वती या गौरा-गौरी का विवाह हो या स्थापना, उस मूर्ति के प्रभा मंडल में गीत संगीत से गूंजता इन्द्रधनुषी क्षण उनके जीवन को आध्यात्मिक आलोक से दीप्तिमान बनाता है। गौरा-गौरी, शंकर पार्वती ही हैं। गौरी हिमवालन की गौरांग पुत्री, गौरी गौरांग देहत्वात(महावशिष्ट संहिता) जिसका शरीर शंख, मोंगरा फूल, तथा चंद्रमा जैसा है हिन्दी भाषी क्षेत्र में गौरा का अर्थ पार्वती होता है। इसी तरह आरंभ से भगवान शिव आदिवासियों के आराध्य हैं।

अंचल में गौरा पूजा और महत्व

छत्तीसगढ़ के अधिकांश जातियों में गौरा पूजा प्रचलित है। स्थान और जाति के अनुसार समय एवं स्वरूप में भिन्नता है, किन्तु श्रद्धा और मान्यता में समानता है। यहां का लोक जीवन प्रकृति की गोद में धार्मिक पर्वो के रंगों में रंगा हुआ है। शंकर-पार्वती या गौरा-गौरी का विवाह हो या स्थापना, उस मूर्ति के प्रभा मंडल में गीत संगीत से गूंजता इन्द्रधनुषी क्षण उनके जीवन को आध्यात्मिक आलोक से दीप्तिमान बनाता है। गौरा-गौरी, शंकर पार्वती ही हैं। गौरी हिमवालन की गौरांग पुत्री, गौरी गौरांग देहत्वात(महावशिष्ट संहिता) जिसका शरीर शंख, मोंगरा फूल, तथा चंद्रमा जैसा है हिन्दी भाषी क्षेत्र में गौरा का अर्थ पार्वती होता है। जगतः पितरौ बंदे पार्वती परमेश्वरी। उसी तरह आरंभ से भगवान शिव आदिवासियों के आराध्य हैं। यही वजह है कि मल्हार में पातालेश्वर, रतनपुर में वृद्धेश्वर, नवागढ़ में लिंगेश्वर, तुम्मान का पंचरथ शिवमंदिर, खरौद का लखनेश्वर, बारसूर का बत्तीसा मंदिर, भोरमदेव का शिव मंदिर पीथमपुर तथा तुर्रीधाम का महाकालेश्वर इनके साक्ष्य हैं। छत्तीसगढ़ के आदिवासियों ने गौरा-गौरी में ही गौरी शंकर को अविनाभाव (अभिन्न जो एक दूसरे से अलग नहीं होते) से पूजित किया। छत्तीसगढ़ के ग्रामों-कस्बों में गौरा-चौरा होता है। इसी चौरे में गौरा-गौरी की पूजा होती है। इस समय पारंपरिक गीत गाए जाते हैं-

एक पतरी रैनी भयनी, राय रतन हो दुर्गा देवी
तोरे शीतल छांव. चौकी चंदन हो पिटुली गौरी के होथय मान

इस तरह इस देव को मानने की छत्तीसगढ़ में विशिष्ट परंपरा निरंतर चली आ रही है। इस पर्व का आनंद लेने कोई कमी नहीं करते। महाकवि कालिदास ने भी अपने रघुवंश महाकाव्य के प्रथम श्लोक में कहा है-

बागर्थविव संपृक्तौ बागर्थ प्रतिपत्तये,
जगतः पितरौ वंदे पार्वती परमेश्वरौ।

संस्कृति : डा. रमाकांत सोनी

महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में चोरकी पानी

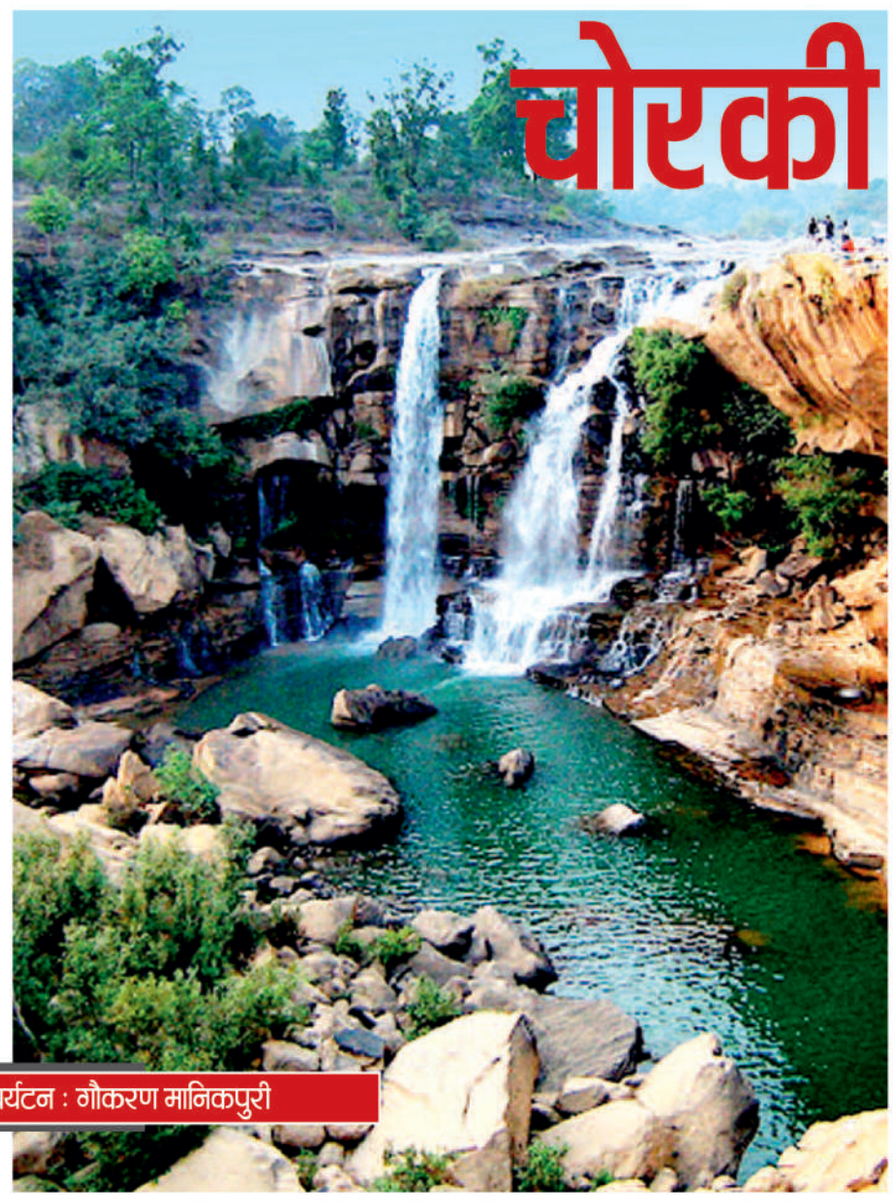

पर्यटन : गौकरण मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ अंचल के प्राकृतिक सौदर्य के अनेक स्थल देखे जाते हैं, जिसमें अंबिकापुर और सरगुजा का अपना अलग ही महत्व है। इस अंचल में चिरमिरी भी प्राकृतिक सौंदर्य के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसी कड़ी में चिरमिरी से लगभग 50-60 किमी दूरी पर ग्राम बचरा पोंडी के समीप ही चोरकी पानी नामक स्थान है जिसे पर्यटन स्थल के रूप में भी जानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीराम सरगुजा जिले के रामगढ़ प्रवास के दौरान यहां से गुजरे थे। उनका पांव यहां जमीन में धंसा और यहां से पानी की धारा बह निकली, जो चोरकी पानी के नाम से प्रसिद्ध है। यहां का नैसर्गिक वातावरण अत्यंत मनभावन और आत्मिक शांति प्रदान करता है। पर्यटक वर्ष भर इस नैसर्गिक सौंदर्य के स्थल पर आनंद लेने वर्ष भर पहुंचते रहते हैं और प्राकृतिक आनंद प्राप्त कर प्रफुल्लित हो उठते हैं।

जनजाति विशेष

दिनेश वर्मा

भुंजिया जनजाति का लाल बंगला

भुंजिया जनजाति की सामाजिक व्यवस्था किसी अनुष्ठान से कम नही होता। इनके घर मे पवित्र रसोई कक्ष होता है जिसे 'लाल बंगला' कहा जाता है। लाल बंगला की पवित्रता बनाए रखने के लिए अनेक कठोर नियम होते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य के गरियाबंद जिले में भुंजिया व कमार दो विशेष जनजाति निवास करते हैं। इनमें से भुंजिया जनजाति की परम्परा व संस्कृति काफी रोचक है। इस जनजाति में जितनी विशेषताएं हैं उतनी ही रूढ़ियां हैं, जिसका आज भी पूरे मनोयोग से पालन करते हैं। भुंजिया जनजाति की सामाजिक व्यवस्था किसी अनुष्ठान से कम नही होता। इनके घर मे पवित्र रसोई कक्ष होता है जिसे 'लाल बंगला' कहा जाता है। लाल बंगला की पवित्रता बनाए रखने के लिए अनेक कठोर नियम होते हैं। इस लाल बंगला में परिवार के अलावा अन्य जाति-समुदाय के परिवार की विवाहित कन्या इस स्थल पर प्रवेश नहीं कर सकती। घर की महिलाएं भी रजस्वला काल में लाल बंगला से दूर अन्य कमरे में रहती हैं। घर की महिलाओं को प्रसव काल में तीन दिनों तक बाहर रखा जाता है। यदि कोई अन्य व्यक्ति लाल बंगला को स्पर्श कर देता है तो उसे तत्काल तोड़ कर नए स्थल पर लाल बंगला बनाया जाता है। लाल बंगला में जूठे मुंह प्रवेश नहीं कर सकते और न ही वहां बैठ कर भोजन कर सकते हैं। भुंजिया जन जाति का यह लाल बंगला 11 स्तंभों से बना होता है। इसकी दीवार लगभग 10 फीट ऊंची होती है जिसे मिट्टी,धान भूसा, बांस और लकड़ी से बनाते हैं। छत पाटी-छर्रा (बांस और घास फूस) से बना होता है। लाल बंगला में कोई खिड़की नहीं बनाते है केवल प्रवेश द्वार होता है।

परंपरा

रामकुमार वर्मा

रऊताही शिल्प और बाजार

दशहरा उत्सव संपन्न होते ही शनिचरी बाजार दुर्ग में रऊताही शिल्प कला संबंधित सामग्रियों में मोर पंख, कौड़ी, पलाश की जड़, बांख का वृहद बाजार सजना शुरू हो जाता है। छत्तीसगढ़ के अन्य अंचलों में इस तरह का बाजार बहुत कम देखने को मिलते हैं। एक ही छत के नीचे सजने और सजाने की समस्त वस्तुएं सस्ते दामों पर उपलब्ध हो जाती हैं।

छत्तीसगढ़ का प्राचीन गढ़ दुर्ग अपने अनोखे और गौरवशाली इतिहास व विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं के लिए छत्तीसगढ़ में विशेष स्थान रखता है। कला और संस्कृति की दृष्टि दुर्ग जिले का अपना अलग ही महत्व है। दशहरा उत्सव संपन्न होते ही शनिचरी बाजार दुर्ग में रऊताही शिल्प कला संबंधित सामग्रियों में मोर पंख, कौड़ी, पलाश की जड़, बांख का वृहद बाजार सजना शुरू हो जाता है। छत्तीसगढ़ के अन्य अंचलों में इस तरह का बाजार बहुत कम देखने को मिलते हैं। एक ही छत के नीचे सजने और सजाने की समस्त वस्तुएं सस्ते दामों पर उपलब्ध हो जाती हैं। पहले अधिकतर सामग्री घरों में निर्माण कर लेते थे, पर अब आधुनिकता के कारण बाजार से खरीदना ज्यादा पसंद करते हैं। राऊत लोग यहां से सामग्री खरीदकर सोहई बनाने में लग जाते हैं। राऊत लोग अपने मालिक के गायों को गोवर्धन पूजा के दिन और एकादशी को सोहई बांधकर पर्व उत्साह से मनाते हैं। इस 11 दिनों के बीच जहां मालिकों के गायों को दुहने और देखरेख करने में लगे रहते हैं, उनके घरों की गायों को सोहई बांधकर मंगलकामना के लिए दोहा पारकर असीस देते हैं। मालिक भी राऊतों को ससम्मान उपहार भेंटकर अपने घरों से विदा करते हैं। इस स्थल पर वस्तुओं की मांग इतनी अधिक होती है, कभी कभी ऐसा भी देखा गया है कि इस समय पर कच्चा माल की मांग अधिक और वस्तु कम पड़ जाता है। दूर -दूर से लोग काफी पहले से यहां सोहई का सामान लेने आते हैं। हमारे अंचल की सामाजिक समरसता का यह अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है। यहां तक की कई पीढ़ियां अपने जरूरत के मुताबिक मन पसंद वस्तुएं मिलने के कारण आते हैं।

मुख्तार अंसारी के बेटे ने कोर्ट में किया सरेंडर

प्रखर मऊ। चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में मुख्तार अंसारी के बेटे ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। बता दे की पिछले दिनों से फरार चल रहे मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे ने एमपी एमएलए कोर्ट में सरेंडर कर दिया। बतादे कि तीन मामलों में फरार चल रहे मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने एमपी एमएलए कोर्ट में सरेंडर किया है। मामला हेट स्पीच और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का बताया जा रहा है। चुनाव आचार संहिता के तीन अलग-अलग मामलों में नामजद मुख्तार अंसारी के छोटे पुत्र व विधायक अब्बास अंसारी के भाई उमर अंसारी ने बुधवार को एसीजेएम एमपी /एमएलए कोर्ट श्वेता चौधरी की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। तीनों मामलों में उमर अंसारी के विरुद्ध कोर्ट से गैरजमानती वारंट जारी था। एसीजेएम ने उन्हें न्यायिक हिरासत में ले लिया है। पहले मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में अपराध संख्या 97/ 22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि 3 मार्च 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा कि जनपद मऊ के प्रशासन को चुनाव के बाद रोककर हिसाब किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी मंच से दी गई थी। पुलिस ने विवेचना मे मामले में धारा 506, 171 एफ,186,189, 153 ए, 120 बी भादवि मे सदर विधायक अब्बास अंसारी व उनके भाई उमर अंसारी, इलेक्शन एजेंट गाजीपुर जनपद के पुरानी कचहरी यूसुपुर मुहम्मदाबाद निवासी मंसूर अंसारी के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया है। मामले में आरोपी उमर अंसारी की पत्रावली अलग कर दी गई है। वह कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहे थे, उनके विरुद्ध गैरजमानती वारंट जारी था। दूसरे मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई राजेश कुमार वर्मा की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई थी। आरोप है कि 27 फरवरी 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सुभासपा प्रत्याशी अब्बास अंसारी ने बिना अनुमति के राजाराम पुरा से लेकर भरहु का पूरा तक रोड शो निकाला। जिसमें 5-6 गाड़ियां तथा 100-150 लोगों की भीड़ एकत्र हो गई थी। पुलिस ने मामले की एफआईआर दर्ज कर बाद विवेचना अब्बास अंसारी, उमर अंसारी, गणेश दत्त मिश्रा, मंसूर अंसारी, मोहम्मद ईशा खान, शाहिद लारी, शाकिर लारी, जुल्फेकार और धर्मेंद्र सोनकर के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित किया। मामले में उमर अंसारी कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहे थे, उनके विरुद्ध गैरजमानती वारंट जारी है। तीसरा मामला दक्षिण टोला थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार तत्कालीन निरीक्षक पंकज कुमार सिंह की तहरीर पर 12 फरवरी 22 को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में अपराध संख्या 27/ 22 धारा 188, 171एच भादवि व धारा 133 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। मामले में पुलिस ने विवेचना कर अब्बास अंसारी, उमर अंसारी, साकिब लारी,शाहिद लारी, इशराईल अंसारी और रमेश राम के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित किया है। मामले में उमर अंसारी के कोर्ट में उपस्थित न होने पर उनकी पत्रावली अलग कर दी गई थी। उनके विरुद्ध गैरजमानती वारंट जारी है।

बच्चों ने पॉटरी स्टूडियों की मदद से बर्तन और अन्य कलाकृतियों को बनाने का सीखा तरीका

प्रखर दानगंज वाराणसी। आर जे पी पब्लिक स्कूल के तत्वाधान में आज के दिन पॉटरी वर्कशॉप की गई है। सबसे पहले बच्चो ने पॉटरी स्टूडियो की मदद से बर्तन और अन्य कलाकृतियो को बनाने का तरीका सीखा। साथ ही प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा भी शांत की। स्टूडियो के गोपाल जी ने मिट्टी से दिया।कुल्हड़ आदि बनाकर दिखाए। स्कूल की प्रधानाचार्य गोल्डी पाडें ने बताया कि वर्कशाप के जरिए बच्चों को मिट्टी से दोस्ती करने की सीख दी जा रही है।मिट्टी की महक मन मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डालती है बच्चे वातावरण से जुड़े रहते हैं। यहां अध्यापिकाएं काजल सिंह, रचना दुबे, साक्षी दुबे, प्रज्ञा जयसवाल, भाग्यश्री चौबे, नेहा श्रीवास्तव, शिवानी जायसवाल, श्रयांशी मोदनवाल, तनु सिंह वैष्णवी, सिंह और शालिनी चौबे इत्यादि लोग मौजूद रहे।

खेतों में परली जलाई तो खैर नहीं जुर्माना के साथ होगा कड़ी कानूनी कार्यवाही

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में पराली प्रबन्धन के सबंध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष धान की कटाई के दौरान जनपद में कुल चार घटनाएं सेटेलाइट के माध्यम से प्राप्त हुई है जिसमें से एक मथुरापुर, विकासखंड खलीलाबाद, दूसरी महोबरी, विकासखंड नाथनगर में धान की पराली जलाने की पुष्टि हुई है। दोनों स्थानों पर संबंधित किसानों से नियमानुसार पर्यावरण क्षति के रूप में प्रत्येक कृषक से रुपए ढाई हजार दंड की वसूली संबंधित तहसील द्वारा की गई है। जिलाधिकारी द्वारा पराली जलाय जाने से रोकने के लिए सचल दल टीम को निर्देश दिए गए हैं कि क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए, यदि कोई कंबाइन मशीन बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा परली संकलन यंत्र के क्षेत्र में चलती हुई पाई जाती है तो उसे नियमानुसार सीज किया जाए एवं जो किसान परली जलते हुए पाए जा रहे हैं उनसे पर्यावरण क्षति के रूप में अर्थ दंड वसूल किया जाए। दो एकड़ तक रुपए ढाई हजार, 02 से 05 एकड़ पर रुपए 5000, 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र पर रुपए 15000 दंड स्वरूप वसूल किया जाने का प्राविधान पर्यावरण एक्ट के अंतर्गत किया गया है। कृषि विभाग को निर्देशित किया गया कि परली प्रबंधन हेतु डीकंपोजर को किसनों में निशुल्क वितरित कर दिया जाए। जिससे कि वे इसका प्रयोग कर अपने खेत में पराली प्रबंध कर सके एवं पराली प्रबंधन संबंधी यंत्र जो की फार्म मशीनरी बैंक कस्टम हायरिंग केंद्र एवं निजी कृषकों को अनुदान अंतर्गत वितरित किए गए हैं उनसे क्षेत्र में इसका संचालन कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए गए की ग्राम पंचायत में डुग्गी पिटवाकर एनजीटी के निदेशों का प्रचार प्रसार किया जाए और यदि कोई घटना ग्राम में पाई जाती है तो उसकी सूचना सचल दल को तत्काल उपलब्ध कराएं। बैठक में सभी खंड विकास अधिकारी के लिए निर्देश दिए गए की ग्राम सचिव व लेखपाल के माध्यम से पराली का संकलन करते हुए गौशालाओं में दान कराया जाए।

बनारस रंग महोत्सव के समापन दिवस पर सम्वकार वाराणसी एवं सनबीम वूमेंस कालेज की ओर से नाटक रघुनंदनम अभिनंदन की हुई प्रस्तुति

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस रंग महोत्सव के समापन दिवस पर सम्वकार वाराणसी एवं सनबीम वूमेंस कालेज की ओर से नाटक रघुनंदनम अभिनंदन की हुई प्रस्तुति ये नाटक तुलसी दास द्वारा रचित राम चरित मानस पर आधारित था ` नाटक की कहानी रावण वधोप्रांत लंका काण्ड के अंत से लेकर उत्तर काण्ड के प्रथम कुछ चौपाइयों तक थी इस वर्ष राम चरित मानस यूनिस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में शामिल किए जाने हेतु प्रस्तावित किया गया है जिसके खुशी में इस नाटक का मंचन किया गया है इस प्रस्तुति के जरिए कलाकारों ने सदा से ही स्त्री की सत्यता और पवित्रता पर प्रश्न उठाए जाने को लेकर दर्शकों के समक्ष अपनी बात रखी और जैसा कि तुलसी दास ने राम चरित मानस में वर्णित किया है की जिस प्रकार समुंद्र मंथनोप्रान्त जल के माध्यम से प्रकट होकर मां लक्ष्मी श्री हरी विष्णु को सोपा गई थी उसी प्रकार अग्नि परीक्षा के बाद मां सीता अग्नि में से प्रकट होकर श्री राम को सौंपी गई थी इस प्रस्तुति में जहाँ 21 कलाकारों द्वारा राम चरित मानस के दोहे चौपाई तथा छंद गाए गए तो वही मंच पर अन्य 21 कलाकार द्वारा उनपर भवाभिनय किया गया। प्रस्तुति में जब चौपाई में तुलसी दास ये कहते है को प्रभु श्री राम ने विभीषण हनुमान तथा अन्य वानरों से आग्रह किया की माता सीता को वायु मार्ग से नहीं पैदल लेकर आए ताकि सभी रीछ वानर भालू उनका दर्शन कर सके तब माता सीता का प्रवेश प्रेक्षकों के बीच से करा कर तथा प्रेक्षकों को इस अवसर पर प्रसाद बातकर नाटक को केवल मंच तक सीमित न रख कर प्रख्यात रंगविशेषज्ञ स्टेन्स लेवेस्की द्वारा बताई गई फोर्थ वाल का खण्डन निर्देशक द्वारा बखूबी किया गया इस नाटक का निर्देशन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली के स्नातक तथा बनारस रंग महोत्सव के निदेशक गुंजन शुक्ला ने किया था तथा नृत्य संरचना शिवानी मिश्रा इलाहाबाद वाली एवं शुभ्रा मुंशी ने की थी तथा गायन एवं संगीत ज्योत्सना भट्टाचार्य द्वारा किया गया। नाटक के उपरांत महोत्सव निदेशक ने सभी का धन्यवाद करते हुए आगामी वर्षों में बनारस रंग महोत्सव के और भी श्रृंखलाएं देखने को मिलेगी` धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जगमोहन सिंह नेगी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

यातायात माह का नहीं दिख रहा असर, राहगीर हो रहे हलकान

प्रखर गोरखपुर। रेलवे बस स्टेशन पर यातायात माह में भी लग रहा प्रतिदिन रोड़ों पर जाम आने जाने वाले राहगीर हो रहे परेशान ट्रैफिक पुलिस यातायात माह में भी राहगीरों को नहीं दे पा रही राह जिससे राहगीर अपने गंतव्य को बिना रोक-टोक कर सकें पार पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों ने रोडवेज के आला अधिकारियों को लगा चुके हैं फटकार फिर भी अपने कर्तव्यों का पालन करने में बरत रहे कोताही रोडवेज बस सड़क पर ही रोडवेज स्टैंड होने की वजह से राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई है। मामला नया तो नहीं है यातायात माह में ट्रैफिक अफसरों की अनदेखी की वजह से मुसाफिरों का सफर मुश्किल भरा हो गया है। रोडवेज बस बकायदा एक लेन की सड़क को कब्जा तो कर ही लिया है दूसरे तरफ भी गाड़ी खड़ी कर जाम लगाने का कार्य करते वह भी यातायात माह में पुलिस को अफसर को जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। लेकिन, इसे हटाने में न ही परिवहन विभाग की दिलचस्पी है और न ही पुलिस ही ध्यान दे रही है। ट्रैफिक पुलिस प्रशासन अभियान दो चलाती है दो दिन बाद ही औंधे मुंह गिर जाती है और फिर से मुसाफिर उसी सांसत में सफर करने को मजबूर हो जाते हैं। प्रति दिन यूनिवर्सिटी चौराहे से रेलवे स्टेशन मार्ग के सड़क पर रोडवेज की बसें खड़ी रहती हैं, बस के चालक और परिचालक बसों को सड़क पर ही रोककर उसमें सवारी भरते हैं, ऐसे में इस मार्ग पर लगने वाले जाम की समस्या से लोगों को रेलवे स्टेशन जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लेकिन, रोडवेज प्रशासन को राहगीरों की समस्याओं पर आंखें बंद किए रहता है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा अगर करवाई किया जाता है तो वहीं रोडवेज बस के ड्राइवर झूठा आरोप लगाकर पुलिस जवानों को फसाने का भी कार्य करते हैं राहगीरों को राह देने के लिए प्रशासन को कठोर कार्रवाई करना चाहिए जिससे रेलवे स्टेशन से यूनिवर्सिटी चौराहे तक जाने आने वाले राहगीरों को राह आसानी से मिल सके।

50 बेड के अस्पताल निर्माण सामग्री में खेल घटिया ईट प्रयोग करने पर भड़के सीडीओ दीवाल तोड़कर हटाने का निर्देश

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 50 बेड का फील्ड हॉस्पिटल निर्माण कार्य की सामग्री में गड़बड़ी मिलने पर सीडीओ हिमाशु नागपाल ने नाराजगी जाहिर करते हुए ठेकेदार को जमकर फटकार लगाई और सुधार करने का निर्देश दिया कहा कि सुधार नहीं हुआ तो संबंधित लोगों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज होगा चोलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भीतर निर्माण धीन 50 बेड के फील्ड हॉस्पिटल का निरीक्षण करने मंगलवार को सीडीओ पहुंचे थे 3 करोड़ 4 लाख 58 हजार रुपए की लागत से बना रहे अस्पताल के निमार्णाधीन बिल्डिंग में उपयोग हो रहे घटीया सामग्री को देखकर नाराजगी जाहिर की मौके पर लगाए गए ईट मानक के मे नही मिला जिस पर कार्यदाई संस्था को तत्काल ईट बदलने और निर्मलाधीन बिल्डिंग में लगाए गये ईंट को तोड़कर हटाने का निर्देश दिया बिल्डिंग में लगने वाले सरिया जमीन पर मिट्टी में पड़े जकं लगे मिले जिस पर सरिया को मिट्टी से दूर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए निमार्णाधीन कालम और पिलर में सुराग देखने को मिला जिस पर जमकर नाराजगी जाहिर करते हुए फटकार लगाई मौके पर श्रमिक कम लगाकर कार्य करने पर श्रमिक की संख्या बढ़कर जल्द से जल्द काम निस्तारण करने के निर्देश दिए बताया कि कमियां दूर नहीं की गई तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी किया निरीक्षण- चोलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण मुख्य विकास अधिकारी ने किया इस दौरान मरीजों की उपस्थिति साफ-सफाई को भी देखा अधीक्षक आरबी यादव स कहा कि मरीजों को बेहतर इलाज और दवा मिलती रहे किसी प्रकार की कोई कमी ना रहे।

देवता देवी महिला महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुआ

प्रखर बाघौचघाट कुशीनगर। देवता देवी महिला महाविद्यालय बाघौचघाट में बुधवार को मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। साथ ही छात्राएं अपनी प्रतिभा को दिखाते हुए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कर सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान पौध रोपण भी किया गया। मतदाता जागरूकता अभियान में उपस्थित महाविद्यालय के छात्राओं को जागरूक करते हुए उपजिलाधिकारी देवरिया सदर ने कहा कि मतदान लोक तंत्र का सबसे बड़ा हथियार है आपलोग जब मतदाता बनेंगे स्वच्छ लोक मत का निर्माण होगा। जिनकी उम्र 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष हो गई है वह मतदाता फार्म भरकर अपना नाम जोड़वा ले। खंड विकास अधिकारी अनिल सिंह ने कहा कि आपलोग मतदाता बनेंगे तो लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। आज महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर है। उन्होंने आगे कहा कि मतदाता फार्म भर कर अपने महाविद्यालय में जमा कर दें या 25 व 26 नवंबर को अपने ग्रामसभा के बूथ कार्यालय पर जमा कर दें। कार्यक्रम को प्रवक्ता विजय कुमार राव, रामप्रीत कुशवाहा, दिनेश सिंह डॉ शाकिर अली, डॉ बीआर ठाकुर, स्वीप नोडल केशव प्रताप शाही, सुपर वाइजर मनोज कुमार राय, सहाबुद्दीन सिद्दीकी, मुअज्जम अली आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरूआत शालू रावत ने सरस्वती वंदना से की। कार्यक्रम का संचालन डॉ आशुतोष कुमार तथा प्रबंधक नीलेश्वर राय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में बूथ संख्या 335 से 361 तक सभी बीएलओ मौजूद रहे। इस दौरान रंगोली प्रतियोगिता में बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा चांदनी कुमारी, प्रिया कुशवाहा, मनीषा कुशवाहा, सबीना खातून, बबिता कुशवाहा, पूजा कुमारी, अमीषा वर्मा, जरीना खातून ने अपने रंगोली के माध्यम से सबका मन मोह लिया वहीं बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा प्रीति सिंह, रोशनी गिरी, धन्नू पाल, हिरांती मद्धेशिया, नुजहत परवीन, रंजना, बेबी, रितु, अंशिका निर्वाचन से संबंधित रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा को दिखाया वहीं बीए पांचवा सेमेस्टर की छात्रा सकुंतला गौड़, मनीषा पटेल, सोनी यादव, पुष्पांजली, कृति, अंजली, सुमन, शिल्पी, अनीशा गौड़, अन्नू आदि ने भी सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के 50 पौधों को लगाया गया। इस दौरान सतेंद्र राय, मुकेश राय, सोनू कुशवाहा, ईश्वरदेव सिंह, साधु यादव, कृति शर्मा, हर्षिता राय ब्यूटी कुमारी सहित ढेरों की संख्या में छात्राएं और महाविद्यालय परिवार के लोग मौजूद रहे।

संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर के ज्ञानपीठ सभागार में जागरूकता फैलाने एवं ट्रैफिक नियमों की दी गयी जानकारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर, हरहुआ, वाराणसी के ज्ञानपीठ सभागार में यातायात माह के अवसर पर जागरूकता फैलाने एवं ट्रैफिक नियमों की सटीक जानकारी देने के लिए यातायात विभाग से देवानंद बरनवाल (टी.एस.आई.) ने अत्यंत सतर्कता के साथ ट्रैफिक से जुड़े नियमों के अनुपालन की विस्तृत जानकारी दी ,जैसे सीट बेल्ट लगाना क्यों आवश्यक है यदि सीट बेल्ट नहीं लगाएंगे तो एयरबैग भी सुरक्षा नहीं प्रदान कर सकते` गोल्डन आवर में घायल व्यक्ति को कैसे जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया जाएँ एवं प्राथमिक उपचार से पहले घायल व्यक्ति को पानी ना पिलाएँ तथा ग्रीन कॉरिडोर की सहायता से कैसे जल्द से जल्द घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाया जाएँ इत्यादि अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डाला एवं अपने अनुभवों का साझा करते हुये बड़ी सरलता के साथ विद्यार्थियों से संवाद किया उन्होंने बताया कि 40 प्रतिशत दुर्घटनाओं का औसत अनुमान केवल नेशनल हाईवे पर लगाया गया है उन्होंने यातायात से संबंधित अनेक अधिनियमों की बारीक जानकारी दी और कहा कि विद्यार्थियों के लिए लर्निंग लाइसेंस लेकर तेजी से वाहन चलाना दुर्घटना का कारण बन सकता है इसलिए बिना लाइसेंस गाड़ी ना चलाएँ। विद्यालय के परिचालकों को कम से कम 5 साल का अनुभव होना चाहिए` विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ नीलम सिंह ने बताया कि यातायात माह के लक्ष्य की प्रतिपूर्ति हेतु विद्यालय भी अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है जिसका उद्देश्य लोगों में जागरूकता फैलाना है। निदेशिका डॉ वन्दना सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष हमारे विद्यार्थी इस कार्यक्रम के उद्देश्य की सार्थकता को न केवल आत्मसात करते है।

संक्षिप्त खबरें

बढ़ी मुश्किलें, विवादित बयान देने पर समाजवादी पार्टी एम.एल.सी. स्वामी प्रसाद मौर्य को हुई कोर्ट से नोटिस जारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा हिन्दू धार्मिक ग्रंथ राम चरितमानस पर गलत टिप्पणी करने पर अधिवक्ता अशोक कुमार द्वारा जिला जज वाराणसी की अदालत में निगरानी दाखिल की गई अधिवक्ता अशोक कुमार द्वारा अपनी निगरानी में यह कहा गया कि स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा की गई बेतुकी टिप्पणी से देश विदेश के कई हिन्दू भाई बहनों की आस्था को ठेस पहुंचाया गया है इस तरीके का कृत्य करके एम.एल.सी.स्वामी प्रसाद मौर्य ने धार्मिक उन्माद को समाज मे फैलाकर लोगो के मध्य जाती,धर्म,भेदभाव उत्पन्न कर अराजकता को बढ़ाने का और आपसी सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास किया है जो कदापि क्षम्य नही है जिस पर प्रभारी जिला जज सुभाष चंद्र तिवारी द्वारा निगरानी अंगीकृत करते हुए 11 दिसम्बर 2023 के लिए समाजवादी पार्टी एम.एल. सी. स्वामी प्रसाद मौर्य को नोटिस जारी करने का आदेश पारित किया गया है।

पोखरे में उतराता मिला किशोरी का शव

प्रखर संतकबीरनगर। बखिरा थानाक्षेत्र के बौरब्यास गांव में एक किशोरी का उतराता हुआ शव बुधवार को मिला। बखिरा पुलिस ने घटनास्थल पर पंहुचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष बखिरा श्याम मोहन ने बताया कि बौरब्यास गांव के जयकरण यादव की 15 वर्षीय पुत्री मंगलवार को परिजनों के साथ धान काटने गई थी। अपराह्न दो बजे शौच के लिए पोखरे के पास गई थी। कुछ देर तक वापस न आने पर परिजनों को चिंता हुई तो वह पोखरे के पास गए। पुत्री के न मिलने पर पोखरे में डूबने की आशंका हुई। प्रकरण की सूचना पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष श्याम मोहन पुलिस चौकी प्रभारी अनिल प्रकाश पांडेय के साथ घटनास्थल पर पंहुचे और गोताखोरों के सहयोग से खोजबीन शुरू कराया। काफी प्रयास के बाद भी किशोरी का कुछ पता नहीं चला। बुधवार को ग्रामीणों ने पोखरे में किशोरी का शव उतराता हुआ देखा और बखिरा पुलिस चौकी प्रभारी अनिल प्रकाश पांडेय को सूचना दिया।

मनोज राय हत्याकांड में सह आरोपी की अगली सुनवाई 20 नवंबर को

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर । मुख्तार अंसारी और उनके आधा दर्जन से ज्यादा सहयोगियों पर गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में 23 साल पुराने मनोज राय हत्याकांड में पुलिस की चार्जशीट के बाद आरोप तय होने की कार्यवाही चल रही है, जिसमें आज बहस होनी थी लेकिन मुख्तार अंसारी के साथ सह आरोपी सरफराज मुन्नी की तरफ से एडजॉर्नमेंट "स्थगन" की एक याचिका आज जज साहब के समक्ष दी गई और उन्होंने जज के सामने गुहार लगाया है कि इस वारदात में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है जबकि पुलिस की चार्जशीट में मृतक मनोज राय के पिता ने मुख्तार अंसारी के साथ सरफराज मुन्नी, अफरोज, जफर चंदा के साथ दस लोगों को नामजद किया था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है जबकि दो अभियुक्त पहले से ही सरकारी अभिलेखों में भगोड़े घोषित किए जा चुके हैं। ऐसे में मनोज राय हत्याकांड में आज मुख्तार समेत सभी आरोपियों पर आरोप तय होने थे, लेकिन अदालती दांव पेंच के चलते सरफराज मुन्नी के स्थगन याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई कर अगली तारीख 20 नवम्बर डाली है, सरकारी वकील नीरज श्रीवास्तव ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि जुलाई 2001 में उसरी चट्टी कांड हुआ था, जिसमें मुख्तार अंसारी ने बृजेश सिंह और उनके सहयोगियों के ऊपर मोहम्दाबाद कोतवाली में एफआईआर कराई थी, जिसमें मुख्तार अंसारी के सरकारी गनर, एक सहयोगी और एक अज्ञात शख्स की मौत हुई थी, जिसमें तीसरा अज्ञात शख्स हमलावर बताया गया था जिसकी शिनाख्त मनोज राय, निवासी बक्सर बिहार के रूप में हुई थी, जिसमें बाद में मृतक मनोज राय के पिता शैलेंद्र राय ने भी घर से मनोज राय को मुख्तार अंसारी द्वारा इस घटना से एक दिन पहले बुला कर मार देने का आरोप लगाया है, जिसमें एमपी एमएलए कोर्ट गाजीपुर में यह मुकदमा चल रहा है और आगामी 20 नवंबर को इसमें जज साहब मामले को सुनकर आरोप तय करने की कार्यवाही करेंगे।

मिशन शक्ति फेज 4 के तहत हक की बात का हुआ आयोजन, जिलाधिकारी ने किया संवाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी, की अध्यक्षता में मिशन शक्ति फेज-4 के तहत हक की बात जिलाधिकारी साथ कार्यक्रम का अयोजन कलेक्ट्रेट सभागार गाजीपुर में किया गया। जिसमें जनपद स्तर पर घरेलू हिंसा, यौन हिंसा आदि से पीड़ित महिलाओं से उनके संरक्षण, सुरक्षा तंत्र, सुझाव तथा सहायता हेतु सम्वाद किया गया, तथा उनकी समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड-19 के तथा पी०एफ० केयर्स के लाभार्थी के साथ भी जिलाधिकारी महोदया द्वारा सम्बाद किया गया तथा बच्चों की शिक्षा की प्रगति की जानकारी प्राप्त की गयी। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड-19 के 04 पात्र बच्चों को लैपटाप एवं कोविड के 14 बच्चो को टीशर्ट, लोवर, टोपी, मिष्ठान वितरित किया गया इसी प्रकार घरेलू हिंसा, यौन हिंसा आदि से पीड़ित महिलाओं को जिलाधिकारी द्वारा शाल, मिष्ठान वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी, श्रीमती सरिता गुप्ता (सदस्य परिवार परामर्श केन्द्र गाजीपुर) महिला कल्याण विभाग के कार्मिक उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं